रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

शनिवार

16 मई-2026

वर्ष 10, अंक 251

पेज 8, मूल्य 2 रुपए

रांची

पेज-8

● महराजगंज में बोले सीएम योगी आदित्यनाथ

राम मंदिर निर्माण में हमेशा बाधा बनते रहे सपा, बसपा और कांग्रेस

महराजगंज (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में विकास की प्रक्रिया बिना रुके, बिना डिगे, बिना थके व बिना झुके चलती रहेगी। डबल इंजन की सरकार के नेतृत्व में अयोध्या में भव्य राम मंदिर और काशी विश्वनाथ धाम जैसे ऐतिहासिक कार्य संभव हुए।

सपा, बसपा और कांग्रेस जैसी पार्टियां इन कार्यों में हमेशा बाधा बनती रहीं। इसी बाधा को पश्चिम बंगाल की जनता ने हमेशा के लिए उखाड़ फेंका है। योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को महराजगंज के नौतनवा में 208 करोड़ की लागत से 79 परियोजनाओं का लोकार्पण, शिलान्यास तथा लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र एवं टूलकिट वितरित करने के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित रह रहे थे। उन्होंने कहा कि 2017 के पहले प्रदेश का विकास ठप था। गरीबों की पीड़ा को अनसुना कर दिया जाता था। माफिया लोगों की संपत्तियों पर कब्जा कर रहे थे। आज यूपी देश के विकास इंजन के रूप में उभर रहा है, जिसे आगे बढ़ने से अब कोई नहीं रोक सकता।

रांची में मॉनिटर लिजर्ड तस्करी का बड़ा खुलासा: बीजेपी नेता राजीव रंजन मिश्रा गिरफ्तार

दैनिक अलग पहचान,
वरिष्ठ संवाददाता, रांची

रांची के मेन रोड स्थित एक होटल में वन्यजीव तस्करी का बड़ा मामला सामने आया है। वन विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर मॉनिटर लिजर्ड (गोह) से जुड़ी अवैध सामग्री और कथित 'हत्था जोड़ी' बरामद की है। आरोप है कि तंत्र-मंत्र, वशीकरण और यौन शक्ति बढ़ाने के नाम पर वन्यजीवों के अंगों की काली तस्करी की जा रही थी। इस मामले में बीजेपी के नेता राजीव रंजन मिश्रा और उनके बेटे सहित चार तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार, वन विभाग को गुप्त सूचना मिली थी कि मेन रोड के एक होटल में कुछ लोग दुर्लभ वन्यजीवों और उनसे जुड़ी वस्तुओं की खरीद-बिक्री कर रहे हैं।सूचना के आधार पर विशेष टीम गठित की गई और देर शाम होटल में छापेमारी की गई। मौके से कई संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया गया। अधिकारियों ने कमरे की तलाशी के दौरान कथित 'हत्था जोड़ी', नकद राशि, मोबाइल फोन और कई आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए।

जांच अधिकारियों का कहना है कि आरोपी मॉनिटर लिजर्ड के अंगों को चमत्कारी वस्तु बताकर लोगों को ठगते थे। 'हत्था जोड़ी' को तंत्र साधना, वशीकरण और धन आकर्षित करने वाली वस्तु के रूप में प्रचारित किया जाता था। इसके अलावा यौन शक्ति बढ़ाने और बीमारी दूर करने जैसे झूठे दावे कर ऊँची कीमतों पर इसकी बिक्री की जाती थी।

संक्षिप्त समाचार

दुश्मनों का काल बनेगा भारत का एआई लड़ाकू विमान 'काल भैरव'

नई दिल्ली (एजेंसी)। मेक-इन-इंडिया की वैश्विक पहचान को नई ऊंचाई देते हुए भारत का पहला स्वदेशी एआई लड़ाकू विमान 'काल भैरव' अब पुर्तगाल में बनाया जाएगा। भारतीय एआई युद्धक कंपनी एफडब्ल्यूडीए ने इसका ऐलान किया। कंपनी ने कहा कि वह यूरोपीय कंपनी SKETCHPIXEL के साथ मिलकर 'काल भैरव' को

बनाएगी। बता दें SKETCHPIXEL, F-16 जैसे लड़ाकू विमानों के लिए अत्याधुनिक सिमुलेशन सिस्टम बनाने वाली कंपनी है। इस समझौते के तहत SKETCHPIXEL, सिमुलेशन टेक्नोलॉजी, एआई इंटीग्रेशन, संचार प्रणालियां और इंटरऑपरेबिलिटी क्षमताएं देगी, जबकि FWDA मुख्य ऑटोनॉमस सिस्टम और एयरफ्रेम डिजाइन के बौद्धिक संपदा अधिकार अपने पास रखेगी। यह साझेदारी भारतीय डिजाइन को यूरोपीय विनिर्माण विशेषज्ञता के साथ जोड़कर रक्षा क्षेत्र में एक नया मिसाल कायम करेगी।

कितना ताकतवर है 'काल भैरव'?

'काल भैरव' एक मध्यम-ऊंचाई वाला, लंबी समय तक उड़ने वाला ऑटोनॉमस लड़ाकू विमान है। इसकी रेंज 3,000 किलोमीटर है और यह 30 घंटे से अधिक समय तक लगातार उड़ान भर सकता है। प्लेटफॉर्म में एआई-आधारित लक्ष्य पहचान, झुंड समन्वय और एन्क्रिप्टेड संचार प्रणालियां शामिल हैं। पारंपरिक महंगे प्लेटफॉर्मों के बजाय एफडब्ल्यूडीए ऑटोनॉमस हवाई शक्ति, स्वार्म सिस्टम और अगली पीढ़ी की हवाई सुरक्षा इकोसिस्टम बनाने पर जोर दे रही है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से प्रमोशन के बाद अफसरों ने की मुलाकात

दैनिक अलग पहचान,
डेस्क संवाददाता, रांची /

रांची: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से शुक्रवार को कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में झारखंड प्रशासनिक सेवा के संयुक्त सचिव पद पर नवप्रोन्नत अधिकारियों ने शिष्टाचार मुलाकात की। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को प्रोन्नति के लिए धन्यवाद दिया और नई जिम्मेदारियों को पूरी ईमानदारी से निभाने का भरोसा दिलाया। इस दौरान राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सभी अधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों की भूमिका सरकार और जनता के बीच सबसे महत्वपूर्ण कड़ी की होती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, सुशासन और विकास कार्यों को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में अधिकारियों की जिम्मेदारी काफी अहम है। सीएम ने उम्मीद जताई कि सभी नवप्रोन्नत अधिकारी अपने-अपने कार्यक्षेत्र में बेहतर काम करेंगे और जनता की समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता देंगे।

मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी का आरजी कर, रेप और मर्डर केस में बड़ा एक्शन

पूर्व पुलिस कमिशनर विनीत गोयल समेत तीन आईपीएस अधिकारी सस्पेंड

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल में नई सरकार के गठन के बाद मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने बहुचर्चित आरजी कर कांड में शुक्रवार को अब तक की सबसे बड़ी कारवाई की है। राज्य सचिवालय नवान्न में दोपहर में प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने राज्य के तीन वरिष्ठ आइपीएस अधिकारियों विनीत गोयल (कोलकाता पुलिस के तत्कालीन पुलिस आयुक्त), इंदिरा मुखर्जी और अभिषेक गुप्ता के निलंबन की घोषणा की। सुवेंदु ने तीनों आइपीएस अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के भी निर्देश दिए हैं।

एमपी हाई कोर्ट का बड़ा फैसला

'धार भोजशाला वाग्देवी मंदिर ही है...'

● मस्जिद पक्ष को मिलेगी अलग जमीन ● मंदिर पक्ष के अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन की प्रतिक्रिया- हिंदुओं को पूजा का अधिकार मिला

धार/इंदौर (एजेंसी)। धार भोजशाला को लेकर मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। हाई कोर्ट ने कहा कि भोजशाला परिसर मंदिर ही है। मस्जिद पक्ष को अलग जमीन दी जाएगी। इसके लिए मस्जिद पक्ष सरकार से याचिका करे।

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने धार स्थित भोजशाला का धार्मिक स्वरूप तय करते हुए इसे मंदिर माना है। मस्जिद पक्ष यदि सरकार को आवेदन देता है तो उसे अलग जमीन उपलब्ध कराई जाएगी। सरकार इंग्लैंड से वाग्देवी की प्रतिमा लाने का प्रयास करे। कोर्ट ने अंतरसिंह की याचिका खारिज कर दी, जिन्होंने कोर्ट से मांग की थी कि दोनों पक्षों में सौहार्द बना रहे, इस तरह की व्यवस्था का आदेश दिया जाए। मंदिर पक्ष के अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने इस फैसले के बाद अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हिंदुओं को पूजा का अधिकार मिला। भोजशाला का फैसला हिंदू पक्ष में आते ही इंदौर के हाई कोर्ट गेट 3 के सामने समर्थकों ने जश्न मनाया।

सुप्रीम कोर्ट जाएगा मस्जिद पक्ष

धार भोजशाला में अब नमाज पर रोक लग गई है, अब सिर्फ यहां पूजा होगी। मस्जिद पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सलमान खुर्शीद के साथ ही अरशद वारसी और शोभा मेनन ने पक्ष रखा था। मंदिर पक्ष की ओर से विष्णु शंकर जैन और मनीष गुप्ता ने तर्क प्रस्तुत किए थे। अब मुस्लिम पक्ष सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी में है।

क्या था पूरा विवाद?

यह विवाद भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग (एएसआई) संरक्षित भोजशाला परिसर के धार्मिक स्वरूप को लेकर है। हिंदू पक्ष इसे मां सरस्वती का मंदिर और प्राचीन विद्या केंद्र मानता है, जबकि मुस्लिम पक्ष इसे कमाल मौला मस्जिद बताता रहा है। वहीं जैन समुदाय के एक पक्ष का दावा है कि यह मध्यकालीन जैन मंदिर और गुरुकुल था। हिंदू पक्ष की ओर से हाई कोर्ट में एक याचिका दायर कर भोजशाला को मंदिर घोषित करने तथा हिंदू समाज को वर्षभर 24 घंटे पूजा-अर्चना का अधिकार देने की मांग की गई थी। इस मामले को लेकर पिछले चार साल से सुनवाई चल रही थी। लंबी न्यायिक प्रक्रिया और बहस पूरी होने के बाद अब हाई कोर्ट ने धार भोजशाला को मंदिर करार दिया है। इस फैसले के बाद से हिंदू पक्ष में खुशी का माहौल है।

विवाद में वाग्देवी प्रतिमा भी बड़ा मुद्दा

विवाद में मां वाग्देवी की प्रतिमा का मुद्दा भी प्रमुख रहा है। रिकार्ड के अनुसार 1875 में खुदाई के दौरान प्रतिमा मिलने का उल्लेख है। बाद में ब्रिटिश अधिकारी इसे इंग्लैंड ले गए। हिंदू संगठनों ने कई बार प्रतिमा को वापस भारत लाने की मांग उठाई। अब हाई कोर्ट ने भी कह दिया है कि सरकार इंग्लैंड से वाग्देवी की प्रतिमा लाने का प्रयास करे।

अलर्ट मोड पर पुलिस महकमा

फैसले के बाद धार जिले में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए पूरी तरह सतर्क और हाई अलर्ट पर हैं। जिला प्रशासन और पुलिस महकमा पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। गुरुवार रात से ही शहर में प्रतिबंधात्मक आदेश लागू कर दिए गए हैं तथा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 प्रभावी कर दी गई है। संभावित निर्णय के बाद किसी भी प्रकार की प्रतिक्रिया, विरोध या अफवाह की स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए हैं। भोजशाला परिसर सहित शहर के प्रमुख चौराहों, संवेदनशील क्षेत्रों और छप्पन इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस की लगातार गश्त जारी है, जबकि प्रशासनिक अधिकारी पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

विष्णु शर्मा हत्याकांड: दोनों दोषियों को उम्रकैद की सजा, अदालत ने 25-25 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया

अन्नपूर्णा गुप्ता, मुख्य संपादक, नई दिल्ली/

झारखंड के बोकारो का चर्चित विष्णु शर्मा हत्याकांड में न्यायालय ने दोनों दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। बोकारो के अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम दीपक वर्णवाल की अदालत ने शुक्रवार को मामले की अंतिम सुनवाई के बाद सनोज सिंह और अजीत सिंह को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई। अदालत ने दोनों दोषियों पर 25-25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

घटना का विवरण- यह घटना 19 मई 2023 को चास थाना क्षेत्र अंतर्गत शिवपुरी कॉलोनी स्थित मैदान में हुई थी। मृतक विष्णु शर्मा और दोनों आरोपी जमीन कारोबार में साझेदार थे। जमीन से जुड़े विवाद को लेकर आरोपियों ने हत्या की साजिश रची। आरोपियों ने दोपहर में विष्णु शर्मा को घर से बुलाकर मैदान में ले गए। वहां दोनों पक्षों में जमीन को लेकर तीखी बहस हुई जो शाम तक चलती रही। शाम करीब साढ़े छह बजे आरोपियों ने विष्णु शर्मा पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। गोली लगने से मौके पर ही उनकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उनके शरीर पर 18 गोली के निशान पाए गए, जिसने घटना की क्रूरता को उजागर किया। मृतक के भाई राकेश शर्मा ने घटना अपनी आँखों से देखी और भाई को बचाने का प्रयास भी किया, लेकिन तब तक विष्णु शर्मा दम तोड़ चुके थे। घटना के बाद दोनों आरोपी फरार हो गए थे। परिजनों की शिकायत पर चास थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई और पुलिस ने जांच शुरू किया।

पुलिस कार्रवाई और न्याय- किसान संग्राम समिति के नेता कॉमरेड गया राम शर्मा तथा अन्य स्थानीय नेताओं के प्रयासों से मामले को गंभीरता से लिया गया। राज्य गृह सचिव से मुलाकात के बाद बोकारो पुलिस ने रांची से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर चास जेल भेजा था। मामले में अपर लोक अभियोजक सर्वेश आनंद ने सरकार की ओर से पैरवी किया। पीड़ित पक्ष की ओर से प्रतिभावान अधिवक्ता अशोक माहथा ने लड़ाई लड़ी। अदालत ने पुलिस चार्जशीट, साक्ष्यों, गवाहों के बयानों और दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद दोनों को दोषी ठहराया। आक्रोश प्रदर्शन इस हत्याकांड के विरोध में मासस व भूमिहार ब्राह्मण एकता मंच के नेतृत्व में स्थानीय लोगों ने दो दिन आक्रोश प्रदर्शन किया था। जोधाडीह मोड़, महावीर चौक होते हुए रैली चास थाना पहुंची।

● पीएम मोदी के स्वागत में यूएई ने उड़ाए एफ-16, राष्ट्रपति ने खुद एयरपोर्ट पर किया रिसीव

भारत-यूएई के बीच एलपीजी सप्लाई को लेकर समझौता

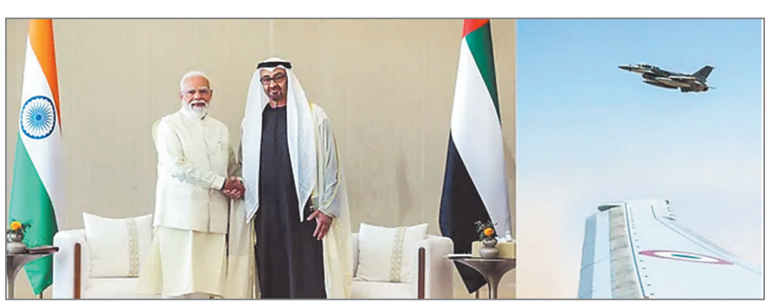

दुबई (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यूएई दौरे पर पहुंचे हैं। अबूधाबी पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी का गार्ड ऑफ ऑनर से स्वागत किया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक यूएई एयरफोर्स के एफ-16 फाइटर जेट्स ने प्रधानमंत्री के विमान को एस्कॉर्ट किया।

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई। दोनों देशों के बीच एलपीजी सप्लाई को लेकर अहम समझौता हुआ। इसके अलावा स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व, रक्षा सहयोग और वडिनार में शिप रिपेयर क्लस्टर से जुड़े एमओयू भी साइन किए गए।

यूएई ने भारतीय इंफ्रास्ट्रक्चर, आरबीएल बैंक और सम्मान कैपिटल में 5 अरब डॉलर निवेश का ऐलान भी किया है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक दोनों नेताओं ने ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार, निवेश और वेस्ट एशिया के हालात पर चर्चा की। भारत और यूएई के बीच हुए 7 समझौते हुए हैं।

भारत-यूएई की दोस्ती बेहद मजबूत: पीएम मोदी- प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर भारत-यूएई रिश्तों को मजबूत और भरोसेमंद बताया। उन्होंने कहा, भारत और यूएई की दोस्ती बहुत मजबूत है। मोदी ने कहा कि दोनों देश बेहतर भविष्य के निर्माण के लक्ष्य के साथ मिलकर काम करते रहेंगे।

भारत-यूएई साझेदारी नई ऊंचाइयों पर पहुंची- मोदी ने कहा कि जनवरी में यूएई राष्ट्रपति की भारत यात्रा के दौरान रिश्तों को और मजबूत करने पर सहमति बनी थी। उन्होंने कहा कि कम समय में दोनों देशों ने सभी क्षेत्रों में तेज प्रगति की है।

मोदी बोले- होर्मुज स्ट्रेट खुला और सुरक्षित रहना जरूरी- मोदी ने कहा कि भारत चाहता है कि होर्मुज स्ट्रेट खुला और सुरक्षित बना रहे। उन्होंने कहा कि वेस्ट एशिया युद्ध का असर पूरी दुनिया पर दिख रहा है और भारत हमेशा संवाद व कूटनीति के जरिए समाधान का पक्षधर रहा है।

मोदी बोले-

यूएई पर हमले किसी भी रूप में स्वीकार नहीं- मोदी ने यूएई पर हुए हमलों की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि यूएई को जिस तरह निशाना बनाया गया, वह किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है। मोदी ने राष्ट्रीय एकता, सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता बनाए रखने के लिए यूएई की ओर से उठाए गए कदमों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि कठिन समय में यूएई में रह रहे भारतीय समुदाय की जिस तरह देखभाल की गई, वह सराहनीय है।

पेट्रोल-डीजल 3-3 रुपए महंगे हुए, नई कीमतें लागू

दिल्ली में पेट्रोल 97.77 लीटर हुआ, कंपनियों को अभी भी 25-30 रू. प्रति लीटर का घाटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेट्रोल और डीजल 3-3 रुपए प्रति लीटर महंगा हो गया है। दिल्ली में अब पेट्रोल 97.77 रुपए प्रति लीटर में मिलेगा। डीजल की कीमत 90.67 रुपए प्रति लीटर हो गई है। नए दाम आज 15 मई से लागू हो गए हैं। करीब 2 साल बाद दामों में ये बढ़ोतरी की गई है।

वहीं कंपनियों को अभी भी पेट्रोल-डीजल पर 25-30 प्रति लीटर का घाटा हो रहा है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों के साथ प्रमुख शहरों में सीएनजी भी 2 प्रति किलो तक महंगी हो गई हैं। दिल्ली में अब एक किलो सीएनजी के लिए 79.09 खर्च करने होंगे।

अन्य चीजों के दाम भी बढ़ सकते हैं

- मालभाड़ा बढ़ेगा
- खेती की लागत बढ़ेगी
- बस-ऑटो का किराया बढ़ेगा।

2024 से दाम नहीं बदले थे, चुनाव से पहले कटौती हुई थी- देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें मार्च 2024 से स्थिर बनी हुई थीं। लोकसभा चुनाव 2024 से ठीक पहले सरकार ने कीमतों में 2 प्रति लीटर की कटौती कर जनता को राहत दी थी। हालांकि, तकनीकी रूप से भारत में ईंधन की कीमतें विनियमित हैं और कंपनियां अंतरराष्ट्रीय क्रूड की 15 दिनों की औसत कीमत के आधार पर हर दिन रेट बदल सकती हैं, लेकिन राजनीतिक संवेदनशीलता के कारण इन्हें लंबे समय तक नहीं बदला गया।

ट्रम्प बोले- चीन होर्मुज खोलने में मदद को तैयार

● ईरान ने होर्मुज के लिए नए प्रोटोकॉल जारी किए, ब्रिक्स से अमेरिका की निंदा की अपील

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया कि चीन के राष्ट्रति शी जिनपिंग ने होर्मुज को खुला रखने में मदद की पेशकश की है। फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा कि शी जिनपिंग चाहते हैं कि अमेरिका और ईरान के बीच कोई समझौता हो जाए। ट्रम्प के मुताबिक, शी जिनपिंग ने कहा कि अगर मैं किसी तरह मदद कर सकता हूं, तो मैं मदद करना चाहूंगा।

संक्षिप्त समाचार

मेधा डेयरी का दूध, दही और पनीर हुआ महंगा

रांची, एजेंसी। मदर डेयरी और अमूल के बाद मेधा डेयरी ने भी अपने उत्पादों के दाम बढ़ा दिए हैं. नई कीमत शनिवार से लागू होगी. मेधा ने दूध, दही और पनीर के दामों में बढ़ोत्तरी की है. एक लीटर डबल टोंड मिल्क 50 से बढ़ कर 52 रुपये प्रति लीटर, आधा लीटर 25 से बढ़ कर 26 रुपये, छह लीटर टोंड मिल्क 312 से बढ़ कर 324 रुपये, एक लीटर 54 से बढ़ कर 56 रुपये और आधा लीटर 27 रुपये से बढ़ कर 28 रुपये हो गया है. जबकि, आधा लीटर काउ मिल्क 28 से बढ़ कर 29 रुपये, एक लीटर शक्ति 60 से बढ़ कर 62 रुपये, आधा लीटर 30 से बढ़ कर 31 रुपये, एक लीटर शक्ति स्पेशल 60 से बढ़ कर 62 रुपये और आधा लीटर 31 से बढ़ कर 32 रुपये कर दिया गया है. वहीं, छह लीटर का फुल क्रीम गोल्ड दूध 378 रुपये की जगह 396 रुपये और आधा लीटर गोल्ड दूध 33 रुपये की जगह 34 रुपये में मिलेंगे.

वहीं, दूध के साथ-साथ पनीर और दही के दामों में भी बढ़ोत्तरी की गई है. एक किलो ब्लॉक पनीर 400 रुपये की जगह 420 रुपये, 500 ग्राम पनीर 205 की जगह 215 रुपये और 200 ग्राम का पनीर अब 85 रुपये की जगह 90 रुपये में मिलेंगे.

एनएचएम के तहत चयनित अभ्यर्थियों को 21 मई को मिलेगा नियुक्ति पत्र

गढ़वा, एजेंसी। झारखंड के गढ़वा जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था को नई मजबूती मिलने वाली है. राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत चयनित अभ्यर्थियों की बहाली प्रक्रिया अब अपने अंतिम मुकाम पर है. आने वाले 21 मई को सफल अभ्यर्थियों के बीच नियुक्ति पत्र का वितरण किया जाएगा. इस संबंध में सिविल सर्जन डॉ जॉन एफ कैनेडी ने आधिकारिक जानकारी साझा की है.

सिविल सर्जन ने बताया कि नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम की शुरुआत उपायुक्त अनन्य मित्तल के हाथों होगी. उपायुक्त चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान करेंगे. इसके बाद बाकी बचे हुए अभ्यर्थियों को सिविल सर्जन कार्यालय के माध्यम से नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे.

विभाग की ओर से निर्देश दिया गया है कि जिन चयनित अभ्यर्थियों ने अपने मूल प्रमाण पत्रों (ओरिजिनल सर्टिफिकेट) का सत्यापन कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, वे ही इस प्रक्रिया में शामिल होंगे. सभी सफल अभ्यर्थियों को निर्धारित समय पर उपस्थित होकर अपना अस्थायी नियुक्ति पत्र प्राप्त करना होगा. साथ ही, उन्हें आवंटित कार्यस्थल पर जॉइनिंग देने का भी निर्देश दिया गया है.

गौरतलब है कि गढ़वा जिले के कई स्वास्थ्य केंद्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में लंबे समय से मानव बल की भारी कमी बनी हुई थी. पर्याप्त स्टाफ न होने के कारण ग्रामीण इलाकों में मरीजों को समय पर इलाज मिलने में कठिनाई हो रही थी.अब नई तैनाती से न केवल मरीजों को बेहतर इलाज मिलेगा, बल्कि स्वास्थ्य केंद्रों के संचालन में भी सुगमता आएगी.सिविल सर्जन ने कहा कि नियुक्ति प्रक्रिया पूरी होने के बाद जिले की स्वास्थ्य सेवाओं में व्यापक सुधार की उम्मीद है. नए कर्मियों के आने से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में मरीजों को समुचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सकेगी.

विद्युत नगरी पतरातू अंधेरे में, हफ्तेभर से बिजली संकट से जूझ रहे लोग

पतरातू, एजेंसी। जिस पतरातू क्षेत्र को विद्युत नगरी के नाम से जाना जाता है और जहां से झारखंड समेत कई राज्यों को बिजली आपूर्ति की जाती है, वहीं आज स्थानीय लोग खुद लगातार बिजली संकट झेलने को मजबूर हैं.

बीते लगभग 1 सप्ताह से क्षेत्र में बिजली व्यवस्था चरमरा गई है, जिससे आम जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है. लगातार हो रही बिजली कटौती और इस गर्मी में घंटों बाधित विद्युत आपूर्ति ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है. स्थानीय लोगों का कहना है कि बीते शुक्रवार को आए तेज आंधी और बारिश के बाद पूरे क्षेत्र की बिजली व्यवस्था पूरी तरह बिगड़ गई थी. कई इलाकों में तीन से चार दिनों तक बिजली आपूर्ति सुचारू रूप से बहाल नहीं हो सकी थी. कहीं तार टूटे, तो कहीं फॉल्ट के कारण लोग अंधेरे में रहने को विवश हो गए. ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में स्थिति लगभग समान बनी हुई है.

सबसे बड़ी समस्या यह है कि बिजली आपूर्ति बाधित होते ही मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट सेवा भी ठप पड़ जाती है. क्षेत्र में विभिन्न कंपनियों के टावर बिजली पर निर्भर हैं, जिसके कारण बिजली जाते ही नेटवर्क गायब हो जाता है. इससे लोगों को ऑनलाइन कार्य, बैंकिंग सेवा, पढ़ाई, कार्यालयीन कार्य और आपातकालीन संपर्क में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है.

कई स्थानों पर लोग फोन तक नहीं कर पा रहे हैं. स्थानीय नागरिकों ने बताया कि यह समस्या नई नहीं है. इससे पहले भी 33 हजार और 11 हजार केवी विद्युत तारों में पेड़ों की डालियां टकराने के कारण बार-बार फॉल्ट होता रहा है. समय पर पेड़ों की छंटाई नहीं होने और विद्युत लाइनों के रखरखाव में लापरवाही के कारण हल्की आंधी या बारिश में भी आपूर्ति व्यवस्था ध्वस्त हो जाती है.

प्रदेश में ठोस कचरा प्रबंधन नियम 2026 लागू की तैयारी, विकास आयुक्त ने दिए कई निर्देश

रांची, एजेंसी। झारखंड सरकार के विकास आयुक्त एवं अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई. नेपाल हाउस मंत्रालय में हुई इस उच्चस्तरीय बैठक में ठोस कचरा प्रबंधन नियम 2026 को लेकर अहम चर्चा हुई. बैठक में इसके क्रियान्वयन के लिए गठित कोर कमेटी सदस्य शामिल हुए.

आज की बैठक में ठोस कचरा प्रबंधन नियम 2026 को राज्यभर में प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत चर्चा हुई. बैठक में बताया गया कि भारत सरकार द्वारा 01 अप्रैल 2026 से पूरे देश में लागू किए गए ठोस कचरा प्रबंधन नियम 2026 को शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा. इसके क्रियान्वयन एवं मॉनीटरिंग के लिए राज्य स्तर पर गठित कोर कमेटी की यह पहली बैठक थी.

विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह ने सभी संबंधित विभागों को विस्तृत एक्शन प्लान तैयार कर उसे धरातल पर लागू करने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि सभी जिलों में यह सुनिश्चित किया जाए कि सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल 2026 के अनुरूप कार्य व्यवस्थित तरीके से संचालित हो रहा है या नहीं.

उन्होंने उपायुक्तों को पंचायत स्तर पर कचरा पृथक्करण (सेग्रीगेशन) के लिए स्थल चिह्नित करने तथा वहां प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित करने की योजना तैयार करने का निर्देश दिया. साथ ही प्रत्येक जिले में दो से तीन क्लस्टर विकसित करने की बात कही, जहां वैज्ञानिक तरीके से कचरे की डंपिंग और प्रोसेसिंग की जा सके.

विकास आयुक्त ने डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण के लिए थर्ड पार्टी एजेंसी को जोड़े जाने का सुझाव देते हुए कहा कि एजेंसी घरों से कचरा एकत्र कर उसे प्रोसेसिंग प्लांट तक पहुंचाए. उन्होंने पंचायतों की जवाबदेही तय करने तथा पंचायत स्तर से कचरा संग्रहण कर उसे सेग्रीगेशन प्लांट तक पहुंचाने की समुचित व्यवस्था विकसित करने पर भी जोर दिया.

इस बैठक में उन्होंने निर्देश दिया कि 50 से 60 किलोमीटर के दायरे में सेंटर प्वाइंट बनाकर कचरा प्रोसेसिंग की व्यवस्था की जाए. प्रोसेसिंग का दायित्व जिला परिषद को भी दिए जाने की बात कही गई. गांव स्तर पर कचरा संग्रहण के लिए ट्राई-साइकिल के उपयोग पर बल देते हुए. उन्होंने एक मानक डिजाइन वाला ई-रिक्शा विकसित करने का निर्देश दिया, जिसमें चार अलग-अलग डिब्बे हों ताकि विभिन्न प्रकार के कचरे को अलग-अलग रखा जा सके. इसके लिए विस्तृत एसओपी तैयार करने का भी निर्देश दिया गया.

राज्य के विकास आयुक्त ने सभी जिलों को अपने-अपने डंप साइट की सफाई सुनिश्चित करने तथा खाली भूमि पर वृक्षारोपण की योजना तैयार करने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि कई जिलों में भूमि उपलब्ध नहीं होने के कारण प्रोसेसिंग प्लांट शुरू नहीं हो पा रहे हैं. इसलिए जहां भूमि की कमी है वहां भूमि उपलब्ध कराई जाए और आवश्यकता पड़ने पर भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया भी अपनाई जाए. उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि कचरा प्रोसेसिंग प्लांट आबादी वाले क्षेत्रों, अस्पतालों और जलापूर्ति स्रोतों से दूर स्थापित किए जाएं ताकि लोगों के स्वास्थ्य पर किसी प्रकार का प्रतिकूल प्रभाव न पड़े.

इस बैठक में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के सचिव अबू इमरान, नगर विकास विभाग के सचिव सुनील कुमार, वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के सचिव अबू बकर सिद्दीकी, झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव राजीव लोचन बक्शी, पंचायती राज विभाग की निदेशक राजेश्वरी बी, रांची नगर निगम के नगर आयुक्त सुशांत गौरव और सूडा के निदेशक सूरज कुमार सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे. राज्य के सभी जिलों के उपायुक्त भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस बैठक में जुड़े.

बीसीआई रिपोर्ट में इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज की कई खामियां उजागर, हाईकोर्ट ने दिया सुधार का समय

रांची :, एजेंसी। झारखंड हाईकोर्ट में बुधवार को इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज, रांची विश्वविद्यालय से जुड़े मामले डब्ल्यूपीसी 141/2026 की सुनवाई हुई। मामले में छात्रों द्वारा संस्थान में शैक्षणिक और प्रशासनिक अनियमितताओं को लेकर याचिका दायर की गई है।

गौरतलब है कि 10 अप्रैल 2026 को हुई पिछली सुनवाई में हाईकोर्ट ने बार काउंसिल ऑफ इंडिया को संस्थान का निरीक्षण करने का निर्देश दिया था। इसके तहत 5 मई को बीसीआई की टीम ने संस्थान का निरीक्षण किया और अपनी रिपोर्ट कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत की।

बीसीआई की रिपोर्ट में संस्थान की कई गंभीर कमियां सामने आई हैं। रिपोर्ट के अनुसार संस्थान में नॉन–लॉ बैकग्राउंड के डायरेक्टर कार्यरत हैं, जबकि स्थायी डायरेक्टर की नियुक्ति नहीं की गई है। इसके अलावा न्यूनतम आवश्यक फैकल्टी की संख्या भी पूरी नहीं पाई गई। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया कि शिक्षकों को यूजीसी पे–स्केल के अनुरूप वेतन नहीं दिया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान मूट कोर्ट की स्थिति को भी मानकों के अनुरूप नहीं पाया गया। वहीं लाइब्रेरी में आवश्यक पुस्तकों की कमी की बात सामने आई। बीसीआई ने अपनी रिपोर्ट में अन्य कई बुनियादी और शैक्षणिक कमियों की ओर भी इशारा किया है।

रिपोर्ट पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने रांची विश्वविद्यालय को 8 जून 2026 तक सभी कमियों को दूर करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने विश्वविद्यालय को बीसीआई द्वारा बताई गई कमियों की कंप्लायंस रिपोर्ट लिखित रूप में दाखिल करने का आदेश दिया। मामले की अगली सुनवाई 9 जून 2026 को निर्धारित की गई है।

किसानों के मुद्दों पर गंभीर हुई झारखंड बीजेपी! 15 से 20 मई तक प्रखंड मुख्यालयों में धरना का ऐलान

रांची, एजेंसी। किसान के मुद्दे पर झारखंड बीजेपी ने 15 मई से 20 मई तक राज्य के सभी प्रखंड मुख्यालयों में धरना देने का निर्णय लिया है। प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के निर्देश पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। इस राज्यस्तरीय धरना के माध्यम से बीजेपी, राज्य सरकार द्वारा किसानों से की गई वादाखिलाफी समेत उनसे जुड़े दूसरे मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाएगी।

इस आंदोलन की घोषणा करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि महागठबंधन सरकार ने चुनाव पूर्व किसानों को लेकर कई बड़े बड़े वादे किए थे, उन वादों को पूरा करने में हेमंत सरकार नाकाम साबित हुई है। झामुमो और कांग्रेस ने अलग अलग जारी अपने घोषणा पत्र में किसानों को 3200 रुपए प्रति क्विंटल न्यूनतम समर्थन मूल्य देने, वन उत्पादों के MSP में 50% तक की बढ़ोतरी करने, कृषि कार्य के लिए फ्री बिजली देने, किफायती दर पर खाद बीज, कृषि उपकरण देने सहित कई वादे किए लेकिन सरकार बनते ही यह उन्हें भूल गई।

आदित्य साहू ने राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि किफायती दर पर खाद देने की बात तो दूर उल्टे उसकी कालाबाजारी हो रही है। 266 वाली यूरिया की बोरी 550 से लेकर 800 रुपए तक बेची जा रही है और तो और झारखंड में नमक की भी कालाबाजारी हो रही है।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने अपने आरोप में कहा कि पूर्ववर्ती भाजपा सरकार द्वारा चलाई जा रही मुख्यमंत्री कृषि आशीर्वाद योजना को हेमंत सरकार ने बंद कर दिया। साथ ही पीएम फसल बीमा योजना में भी अवरोध पैदा किया है। वर्तमान हेमंत सरकार पूरी तरह किसान और गरीब विरोधी है। इस आंदोलन के माध्यम से सरकार का चेहरा पूरी तरह बेनकाब किया जाएगा।

आदित्य साहू ने कहा कि बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि की वजह से रांची सहित कई जिलों के किसानों के लिए परेशानी बढ़ गई है। इससे किसानों की फसलों को काफी नुकसान हुआ है। खासकर तरबूज, खीरा, ककड़ी और सब्जियों को भारी नुकसान होने की सूचना प्राप्त हो रही है।

किसानों को लाखों रुपए का नुकसान हुआ है, कुछ किसानों ने तो कई कई एकड़ खेतों में फसल लगाई थी, इसके नष्ट होने से उनकी कमर ही टूट गई है। राज्य सरकार को तत्काल अपने स्तर से इसका सर्वेक्षण कराकर किसानों को हुए इस नुकसान का सही सही आकलन कर उन्हें उचित मुआवजा भुगतान करने की दिशा में तत्काल पहल करनी चाहिए।

बीजेपी नेता ने कहा कि ग्रामीण इलाकों में कई किसान कर्ज लेकर, गहने उधार रखकर भी फसल लगाते हैं, उन्हें उम्मीद होती है कि उन्होंने इतनी मेहनत की है तो उनके खेतों में अच्छी पैदावार होगी ही। वे इस फसल को बेचकर लिए हुए कर्ज भी वापस कर देंगे और उन्हें कुछ मुनाफा भी हो जाएगा लेकिन ओला वृष्टि ने केवल उनकी फसलों को ही नहीं बल्कि उनकी उम्मीदों को रौंद डाला है। इसलिए राज्य सरकार को इस मामले की गंभीरता से संज्ञान लेना चाहिए ताकि किसानों को राहत मिल सके। आखिर में आदित्य साहू ने कहा कि कई जगहों पर गरीबों के घर भी क्षतिग्रस्त होने की बात सामने आ रही है। अभी तो बेमौसम बारिश हो रही है, जल्द ही मानसून भी दस्तक देगा इसलिए बेघर लोगों की सुध लेनी चाहिए नहीं तो पीड़ित परिवार को भारी मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा। इन्हें भी सरकार अपने स्तर से राहत मुहैया कराए।

रांची में बस चालक से रंगदारी मांगनी पड़ी महंगी, पुलिस के हत्थे चढ़ें फायरिंग चार आरोपी

रांची, एजेंसी। राजधानी में बस चालक से रंगदारी मांगने और फायरिंग करने का मामला सामने आया है। पुलिस की तत्परता से घटना के तुरंत बाद एक आरोपी को हथियार के साथ दबोच लिया गया है। जबकि फरार अन्य आरोपियों को भी बाद में छापेमारी कर गिरफ्तार कर लिया गया। घटना अरगोड़ा चौक के पास हुई घटित हुई थी।

वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, रांची से नालंदा जा रही 'जीवन ज्योति' नाम की बस नो इंट्री के कारण अरगोड़ा चौक से पहले रुक गई थी। इसी दौरान तीन आरोपी बस के पास पहुंचे। इनमें से दो आरोपी बस में चढ़ गए और चालक की कनपटी पर हथियार रखकर रंगदारी मांगने लगे। चालक ने विरोध किया तो आरोपियों ने जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। जिसमें ड्राइवर बाल-बाल बच गया।

घटना के वक्त अरगोड़ा चौक पर मौजूद पुलिस गश्ती दल और ट्रैफिक पुलिसकर्मी तुरंत बस की ओर दौड़े। पुलिस को देखते ही आरोपी भागने लगे लेकिन एक आरोपी को अवैध हथियार के साथ मौके पर ही पकड़ लिया गया। जबकि दो अन्य आरोपी भागने में सफल रहे।

सूचना मिलने के बाद वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एसपी (नगर) के मार्गदर्शन में हटिया डीएसपी प्रमोद कुमार मिश्रा के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने लगातार छापेमारी करते हुए फरार दो आरोपियों और हथियार उपलब्ध कराने वाले एक अन्य आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कुंदन कुमार सोनी, अभिजीत कुमार उर्फ अन्नो सिंह, नितिन पांडेय उर्फ अमन और गोलू राम उर्फ गोलू बाल्मोकी के रूप में हुई है। इनमें से कुछ आरोपी बिहार के गया और नवादा जिले के रहने वाले हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक देसी पिस्तौल, एक खोखा और दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। मामले में अरगोड़ा थाना में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी कुंदन कुमार सोनी का पूर्व में हत्या के मामले में भी आपराधिक इतिहास रहा है। घटना के बाद राजधानी में बस चालकों और परिवहन व्यवसायियों के बीच दहशत का माहौल है। हालांकि पुलिस ने दावा किया है कि मामले में शामिल सभी मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बाजार में महिला के मिले शव का खुलासा, शराब के नशे में पति ने ही ली थी पत्नी की जान

चाईबासा, एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम जिला में मनोहरपुर थाना क्षेत्र के इतवार बाजार में महिला का शव मिलने के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है. इसके साथ ही पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है. गिरफ्तार आरोपी ने शराब के नशे में पत्नी की हत्या करने की बात स्वीकार कर ली है. मनोहरपुर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी जयदीप लकड़ा ने बताया कि 13 मई को पुलिस को सूचना मिली थी कि इतवार बाजार क्षेत्र में एक महिला का शव पड़ा हुआ है. सूचना के सत्यापन के बाद मनोहरपुर थाना कांड संख्या 23/2026 दर्ज किया गया. इस मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया. इस छापेमारी के दौरान पुलिस ने चरण महली (35 वर्ष) को गिरफ्तार किया. वह खूंटी जिला के रनियां थाना क्षेत्र के ईटाम गांव का निवासी है और वर्तमान में मनोहरपुर बाजार में रह रहा था. पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने बताया कि शराब के नशे में उसने ही अपनी दूसरी पत्नी रीना मच्छुआ की लात-घूंसे से पिटाई कर हत्या कर दी. इस छापेमारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मनोहरपुर, थाना प्रभारी अम्बील एक्का, पुअनि मथुर प्रसाद, पुअनि लालू प्रसाद सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे.

डीसी ने की शिक्षा विभाग की समीक्षा, दिए निर्देश

हजारीबाग, एजेंसी। झारखंड में हजारीबाग जिले के अधिकांश सरकारी स्कूलों ने झारखंड अधिविध परिषद (जैक) की मैट्रिक और इंटरमीडिएट तीनों संकाय जैसे साइंस कॉमर्स और आर्टस की वार्षिक परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन नहीं किया है। उपायुक्त हेमंत सती ने इस पर कड़ा ऐतराज जताया है। डीसी ने बीते दिनों शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक की। इसमें पढ़ाई सहित बेहतर परीक्षा परिणाम को लेकर शिक्षा अधिकारियों को टास्क दिया है। डीसी ने हर परिस्थिति में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर अधिकारियों को विशेष जोर देने का निर्देश दिया है। उपायुक्त एक साथ विद्यालयों में पठन-पाठन की वर्तमान स्थिति, शिक्षकों की उपलब्धता, विभागीय कार्रवाई, सेवा संपुष्टि, ट्रांसफर, प्रमोशन और नामांकन से जुड़े अलग-अलग बिंदुओं पर गहन समीक्षा की है। विद्यार्थी के अनुपात शिक्षक रहेंगे। पहुंच, पैरवी और डेपुटेशन का सहारा लेकर शहरी क्षेत्र के कई स्कूलों में शिक्षकों की भरमार है। डीसी ने कमी वाले स्कूलों में शिक्षकों के पदस्थापन करने का निर्देश दिया है। शिक्षा अधिकारियों से समय सीमा के भीतर रेशनलाइजेशन (छात्रों के अनुपात शिक्षक) की रिपोर्ट मांगी है।

डीसी ने डीईओ प्रवीण रंजन को निर्देश दिया है कि वे 10वीं से 12वीं के सभी परीक्षा परिणामों में सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाएंगे। अभी से ही शिक्षण व्यवस्था को मजबूत करेंगे। जिससे आने वाले समय में परीक्षा परिणाम बेहतर हो सकेगा।

डीसी ने कहा है कि कस्तूरबा गांधी सहित सभी आवासीय बालिका विद्यालयों में रिक्त पदों पर नियुक्ति के लिए एडीपीओ को वार्डन के साथ समन्वय स्थापित करना है। इसकी रिपोर्ट उप विकास आयुक्त को मिलेगा। इसके आलावा विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने, स्वच्छ और सुव्यवस्थित स्कूल परिसर रखने के लिए लगातार अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी सभी आवासीय विद्यालय का नियमित रूप से निरीक्षण करेंगे। वहीं, क्लास एक से पांच के एकल शिक्षक से जुड़े स्कूलों के कामों के निष्पादन में बीपीओ को जरूरी दिशा निर्देश दिया गया है। इसके आलावा बालिका विद्यालयों में समय पर नामांकन प्रक्रिया को पूरा करने को कहा है।

सीबीएसई 12वीं की नेशनल टॉपर भव्या रंजन का स्कूल में भव्य सम्मान, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी दी बधाई

रांची, एजेंसी। सीबीएसई 12वीं परीक्षा में शानदार प्रदर्शन कर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाली रांची की छात्रा भव्या रंजन के सम्मान में उनके स्कूल परिसर में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर स्कूल प्रबंधन, शिक्षक, छात्र-छात्राएं और अभिभावक बड़ी संख्या में मौजूद रहे. कार्यक्रम का माहौल उत्साह और गर्व से भरा रहा. स्कूल की ओर से भव्या रंजन सहित अन्य टॉपर्स को भी सम्मानित किया गया.

नेशनल टॉपर भव्या रंजन को किया गया सम्मानित: कार्यक्रम में ऑक्सफोर्ड स्कूल के चेयरमैन शशि भूषण मेहता स्वयं स्कूल पहुंचे और भव्या रंजन को सम्मानित किया. उन्होंने भव्या समेत अन्य टॉपर्स को स्मृति चिन्ह और सम्मान पत्र देकर उनके उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं. इस दौरान उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि सिर्फ स्कूल की नहीं, बल्कि पूरे रांची और झारखंड के लिए गर्व का विषय है. उन्होंने कहा कि कठिन मेहनत, अनुशासन और निरंतर प्रयास से कोई भी छात्र बड़ी सफलता हासिल कर सकता है और भव्या रंजन इसका बेहतरीन उदाहरण हैं.

बताया गया कि भव्या रंजन ने आर्ट्स संकाय में 99.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तर पर टॉपर बनने का गौरव हासिल किया है. उनके इस प्रदर्शन से स्कूल परिवार में खुशी का माहौल है. कार्यक्रम के दौरान स्कूल के अन्य मेधावी छात्रों को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है.

इस खास अवसर पर छात्रों के अभिभावकों को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था. स्कूल प्रबंधन की ओर से कहा गया कि किसी भी छात्र की सफलता में परिवार और अभिभावकों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है. इसे ध्यान में रखते हुए बच्चों के साथ-साथ उनके अभिभावकों को भी सम्मानित किया गया. कार्यक्रम के दौरान कई अभिभावक भावुक भी नजर आए और उन्होंने स्कूल प्रबंधन और शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया.

संक्षिप्त समाचार

झारखंड में 20 मई तक बारिश की संभावना:17 और 18 मई को बारिश का ऑरेंज अलर्ट, तेज हवा और वज्रपात की भी चेतावनी

रांची, एजेंसी। झारखंड में तकरीबन रोजाना ही दोपहर बाद मौसम बदल रहा है और तेज हवा व बारिश हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार, ऐसे ही मौसम से लोगों को फिलहाल 20 मई तक रू-ब-रू होना पड़ेगा। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में अगले दो दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में (2-3) डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है। इसके बाद अगले तीन दिनों के दौरान इसमें कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। 16 मई शनिवार को भी राज्य मे कहीं-कहीं पर गर्जन के साथ बारिश और तेज हवा चल सकती है। वहीं, 17 मई रविवार को धनबाद, कोडरमा, हजारीबाग, बोकारो, रामगढ़ और रांची में मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

इन जिलों में कहीं-कहीं पर गर्जन के साथ तेज हवा चल सकती है। हवा की रफ्तार 50-60 किलोमीटर प्रति घंटे तक की हो सकती है। वज्रपात की भी चेतावनी जारी की गई है। साथ ही खूंटी और गुमला में भी बारिश हो सकती है।

18 मई सोमवार को धनबाद, कोडरमा, हजारीबाग, बोकारो, रामगढ़, रांची और चतरा के कई हिस्सों में कहीं-कहीं पर गर्जन के साथ बारिश होगी। साथ ही 50-60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है।

हजारीबाग में ऑक्सीजन नहीं मिलने पर महिला की मौत, शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल का है मामला

हजारीबाग, एजेंसी। शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में इलाज में लापरवाही का मामला सामने आया है. शिवपुरी निवासी मनजीत कुमार की पत्नी सरिता कुमारी, जो थैलेसीमिया से पीड़ित थीं को ऑक्सीजन देने में लापरवाही बरतने की वजह से उनकी मौत हो गई. पीड़िता की 7 साल की एक बेटी है. दरअसल, थैलेसीमिया पीड़ित मरीज सरिता कुमारी रक्त चढ़वाने के लिए अस्पताल आई थी. उन्हें महिला वार्ड में भर्ती कराया गया था. इस दौरान उनका ऑक्सीजन लेवल कम हो गया था. वहां तैनात स्वास्थ्य कर्मियों ने उन्हें ऑक्सीजन नहीं चढ़ाया. जिसकी वजह से उनकी मौत हो गई. मृतक के पति मनजीत कुमार ने बताया कि वह अस्पताल में रक्त चढ़वाने के लिए आते रहते हैं. सुबह वह अपनी पत्नी को रक्त चढ़वाने के लिए लाए थे और उन्हें महिला वार्ड में भर्ती कराया गया था. यहां डॉक्टरों ने एक्स-रे कराने की बात कही और उन्हें एक्स-रे कराने के लिए भेज दिया गया. उस वक्त महिला का ऑक्सीजन लेवल कम था. वो बार-बार कह रही थी कि सांस लेने में दिक्कत हो रही है लेकिन चिकित्सकों ने महिला की बात नहीं मानी और उन्हें ऐसे ही एक्स-रे कराने के लिए भेज दिया. उस दौरान महिला को रक्त भी नहीं चढ़ाया गया. एक्स-रे ले जाने के दौरान ही महिला की मौत हो गई. आनन फानन में उसे इमरजेंसी लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. इमरजेंसी में सेवा दे रहे डॉक्टर ने बताया कि चिकित्सक या स्वास्थ्यकर्मी की ओर से बड़ी लापरवाही हुई है. इस पूरे मामले की जांच कराई जाएगी और जो भी स्वास्थ्य कर्मी की लापरवाही है, उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी. चिकित्सक ने पीड़ित परिवार से आवेदन देने को कहा है. उन्होंने यह स्वीकार भी किया कि अस्पताल की ओर से बड़ी लापरवाही हुई है. इस लापरवाही की कोई माफी नहीं होनी चाहिए.

नोवामुंडी में डीजल संकट बरकरार, पेट्रोल मिलने से दोपहिया चालकों को राहत

नोवामुंडी, एजेंसी। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम के नोवामुंडी क्षेत्र में डीजल की किल्लत लगातार बनी हुई है. नोवामुंडी संधू पेट्रोल पंप में पेट्रोल तो मिल रहा है, लेकिन डीजल का स्टॉक पूरी तरह खत्म हो चुका है. पंप परिसर में 'डीजल उपलब्ध नहीं' का बोर्ड भी लगाया गया है. इसके साथ ही पंप में ऑनलाइन पेमेंट बंद कर केवल कैश पेमेंट लिया जा रहा है. 'ऑनलाइन पेमेंट नहीं, केवल कैश' का बोर्ड लगाए जाने से कई वाहन चालक परेशान नजर आए. नोवामुंडी बाजार स्थित स्टेशन रोड भारत पेट्रोल पंप में भी पेट्रोल की बिक्री जारी है, लेकिन डीजल उपलब्ध नहीं है. पंप मैनेजर ने बताया कि केवल आवश्यक सेवाओं के वाहनों को सीमित मात्रा में डीजल दिया जा रहा है. दूसरी ओर नोवामुंडी बस्ती स्थित भारत पेट्रोल पंप और हिंदुस्तान पेट्रोल पंप में पेट्रोल और डीजल दोनों उपलब्ध हैं. हालांकि पेट्रोल की कीमत में 3.06 प्रति लीटर और डीजल की कीमत में 3.13 प्रति लीटर की बढ़ोतरी से कई लोग नाराज भी दिखें. कुछ लोगों का कहना है कि दाम बढ़े तो क्या हुआ, कम से कम पेट्रोल-डीजल मिल तो रहा है.

पश्चिमी सिंहभूम में दिशा की बैठक, विकास योजनाओं की समीक्षा और परिसंपत्तियों का वितरण

चाईबासा, एजेंसी। पश्चिम सिंहभूम जिला समाहरणालय सभागार में सिंहभूम सांसद जोबा माझी की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आयोजित हुई. बैठक का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया. इस मौके पर अतिथियों का पारंपरिक तरीके से शॉल, पौधा और वेजिटेबल बास्केट देकर स्वागत किया गया.

जन समस्याओं पर विस्तार से चर्चा

बैठक में केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति, लंबित योजनाओं, बुनियादी सुविधाओं और जन समस्याओं पर विस्तार से समीक्षा की गई. सांसद ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्राथमिकता होनी चाहिए.

कौशल विकास, पेयजल और सड़क योजनाओं पर जोर

बैठक के दौरान जिला अंतर्गत संचालित कौशल विकास केंद्रों के माध्यम से अधिक से अधिक युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण देने का निर्देश दिया गया. कल्याण विभाग को सामुदायिक वन पट्टा वितरण, एकलव्य विद्यालयों में पेयजल व्यवस्था और प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के बेहतर क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए.

जलमीनारों के संचालन के निर्देश

वन विभाग को एलीफेंट अलर्ट सिस्टम और हाईमास्ट लाइट लगाने जबकि ग्रामीण विकास विभाग को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और मुख्यमंत्री ग्राम सड़क सुदृढ़ीकरण योजना के तहत सड़कों की मरम्मत सुनिश्चित करने को कहा गया है.

गर्मी को देखते हुए जिले में चापाकलों की मरम्मत, जलमीनारों का संचालन और बंद ग्रामीण जलापूर्ति योजनाओं को चालू करने के निर्देश दिए गए. चक्रधरपुर और जगन्नाथपुर की जर्जर पानी टंकियों के सुरक्षित निष्पादन पर भी चर्चा हुई.

पशुपालन योजनाओं की समीक्षा

इसके साथ ही स्वास्थ्य, शिक्षा और बिजली व्यवस्था की समीक्षा बैठक में नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य निरीक्षण, तांतनगर में बने फार्मासिस्ट कॉलेज के संचालन, मोबाइल कनेक्टिविटी, भूमिहीन परिवारों को दो-दो डिसमिल जमीन उपलब्ध कराने और पशुपालन योजनाओं की समीक्षा की गई. जिले में बिजली व्यवस्था को दुरुस्त रखने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में नए बिजली पोल लगाने को लेकर भी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए.

परिसंपत्तियों और सम्मान का वितरण

बैठक के दौरान विभिन्न योजनाओं के लाभुकों के बीच डमी चेक, प्रेशर कुकर, साइकिल, सामुदायिक वन पट्टा, खेल किट, मत्स्य विपणन किट और कृषि यंत्र वितरित किए गए. जैक बोर्ड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया. इसके अलावा टीबी रोगियों को पोषक आहार, एचपीवी वैक्सीनेशन प्रमाण पत्र और विभिन्न योजनाओं से संबंधित लाभ भी प्रदान किए गए.

जागरूकता रथों को दिखाई गई हरी झंडी

बैठक के बाद पोषण, जनगणना, आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन, टीबी मुक्त भारत, एचपीवी वैक्सीनेशन, रक्तदान और पेयजल जागरूकता से जुड़े रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया. समाहरणालय परिसर में लगाए गए विभिन्न विभागों के स्टॉलों का निरीक्षण भी अतिथियों ने किया. बैठक में कालीचरण मुंडा, निरल पुरती, सुखराम उरांव, सोनाराम सिंकु, जगत मांझी समेत कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे.

झारखंड पेट्रोलियम डीलर एसोसिएशन ने कर दिया साफ, राज्य में पेट्रोल डीजल की कोई कमी नहीं, अफवाहों पर ना दें ध्यान

धनबाद, एजेंसी। झारखंड में पेट्रोल पंपों पर अचानक बढ़ी भीड़ और टंकियां फुल कराने की होड़ के बीच झारखंड पेट्रोलियम डीलर एसोसिएशन ने लोगों से संयम बरतने की अपील की है. एसोसिएशन ने स्पष्ट किया है कि राज्य में पेट्रोल और डीज़ल की पर्याप्त उपलब्धता है और आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह सामान्य है. ऐसे में अफवाहों पर ध्यान देने के बजाय जरूरत के अनुसार ही ईंधन खरीदने की सलाह दी गई है.

ईंधन की कमी की अफवाहों के कारण गुरुवार को धनबाद सहित राज्य के कई पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें देखने को मिलीं. लोग बड़ी संख्या में अपने वाहनों की टंकियां फुल कराने पहुंचे, जिससे कई स्थानों पर अनावश्यक दबाव की स्थिति बन गई. इस स्थिति को देखते हुए झारखंड पेट्रोलियम डीलर एसोसिएशन ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी तरह की अफवाह से प्रभावित न हों. एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक सिंह ने कहा कि राज्य में पेट्रोल और डीज़ल की आपूर्ति लगातार सामान्य रूप से

जारी है और किसी प्रकार की कमी नहीं है. एसोसिएशन के मुताबिक पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष तेल कंपनियों ने अधिक मात्रा में ईंधन की आपूर्ति की है. भारत पेट्रोलियम ने अप्रैल 2025 में 47,308 किलोलीटर डीज़ल की आपूर्ति की थी, जबकि अप्रैल 2026 में यह बढ़कर 52,189 किलोलीटर हो गई. हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने भी पिछले वर्ष 33 हजार किलोलीटर के मुकाबले इस वर्ष अप्रैल में 44 हजार किलोलीटर की आपूर्ति की. इंडियन ऑयल की सप्लाई में भी वृद्धि दर्ज की गई है. रिलायंस ने आपूर्ति में कोई कटौती नहीं की है, जबकि केवल नायरा ऑयल की सप्लाई में कुछ कमी आई है. अशोक सिंह ने कहा कि दो दिन पहले तक पेट्रोल पंपों पर सामान्य स्थिति थी, लेकिन प्रधानमंत्री की ईंधन बचत संबंधी अपील के बाद लोगों में यह आशंका बनी कि कीमतें बढ़ सकती हैं. इसी वजह से अचानक पंपों पर भीड़ बढ़ गई.

फिलहाल झारखंड पेट्रोलियम डीलर एसोसिएशन ने स्पष्ट किया है कि राज्य में पेट्रोल और डीज़ल का कोई संकट नहीं है. ऑयल कंपनियां नियमित रूप से पर्याप्त मात्रा में ईंधन उपलब्ध करा रही हैं. ऐसे में लोगों से अपील की गई है कि वे घबराहट में ईंधन की अतिरिक्त खरीदारी न करें और केवल आवश्यकता के अनुसार ही पेट्रोल-डीज़ल लें.

एनआरएलएम योजना से आत्मनिर्भर बनी सरायकेला-खरसावां की गंगामनी महतो

सरायकेला, एजेंसी। सरायकेला-खरसावां जिला अंतर्गत कुकड़ू प्रखंड के हेसालोंग गांव की निवासी गंगामनी महतो ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्वयं सहायता समूह से जुड़कर आत्मनिर्भरता और स्वरोजगार की दिशा में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। 'यमुना आजीविका सखी मंडल' से जुड़ने के बाद उन्होंने अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाते हुए न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया, बल्कि आज वे अपने गांव और आसपास की महिलाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं।

साल 2020 में गठित स्वयं सहायता समूह से जुड़ने से पहले उनका परिवार मुख्य रूप से किसानी और मजदूरी पर निर्भर था। सीमित आमदनी के कारण परिवार की डेली जरूरतों को पूरा करना, बच्चों की पढ़ाई और सामाजिक जिम्मेदारियों को पूरा करने में मुश्किलों का सामना करना पड़ता था। समूह से जुड़ने के बाद नियमित बचत, सामूहिक बैठक और आर्थिक गतिविधियों के माध्यम से उनमें आत्मविश्वास और आर्थिक समझ विकसित हुई।

समूह के सुचारू संचालन और ग्राम संगठन के सहयोग से उन्हें ष्ट्ढ्डस्न मद से 50,000 का कर्ज मिला। मिली राशि और स्वयं की पूंजी निवेश कर उन्होंने मनिहारी और जूता-चप्पल की दुकान की शुरुआत की। वर्तमान में उनके द्वारा चलाए जा रहे बिजनेस से हर साल लगभग 1,20,000 की आय हो रही है। इसके अलावा किसानी से भी परिवार को एक्स्ट्रा इनकम मिल रहा है, जिससे परिवार की आर्थिक स्थिति पहले की अपेक्षा काफी बेहतर हुई है।

झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना सहित अन्य सरकारी योजनाओं से मिला लाभ भी उनके परिवार के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण में मददगार साबित हो रहा है। वर्तमान में वे अपने बच्चों की शिक्षा, घरेलू जरूरतों और सामाजिक दायित्वों को बेहतर तरीके से पूरा कर पा रही हैं।

गंगामनी महतो ने बताया कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ने के बाद उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। स्वयं सहायता समूह के माध्यम से मिले सहयोग से उन्होंने अपना व्यवसाय शुरू किया, जिससे आज उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं से अपील करते हुए कहा कि वे भी सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर आत्मनिर्भर बनें और स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ें जिला प्रशासन और संबंधित विभाग द्वारा ग्रामीण महिलाओं से अपील की गई है कि वे सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक फायदा उठाते हुए स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ें। स्वयं सहायता समूह महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम है, जो ग्रामीण परिवारों की आजीविका को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

नीट पेपर लीक को लेकर एनएसयूआई का केंद्र सरकार पर हमला

रांची, एजेंसी। नीट पेपर लीक हो जाने को लेकर कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआई ने केंद्र सरकार पर हमला बोला है. एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष विनय उरांव ने कहा कि नीट परीक्षा में अनियमितताओं और परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी की वजह से लगातार इस तरह की घटना घट रही है. जिसका खामियाजा देश के होनहार और प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को उठाना पड़ रहा है. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की वजह से लाखों बच्चों का भविष्य पर खतरा उत्पन्न हो गया है.

विनय उरांव ने मोदी सरकार और देश के शिक्षामंत्री पर छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए. देश में इस समय सबसे बड़ी चिंता छात्रों और युवाओं के भविष्य को लेकर है.

उन्होंने कहा कि नीट जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा में लगातार सामने आ रही गड़बड़ियों ने लाखों छात्रों और उनके परिवारों को मानसिक तनाव में डाल दिया है. उन्होंने कहा कि इस परीक्षा से देशभर के 22 लाख से अधिक छात्र जुड़े हुए हैं और ऐसी स्थिति में किसी भी प्रकार की अनियमितता बेहद गंभीर विषय है.

विनय उरांव ने कहा कि छात्र कड़ी मेहनत और लगन से परीक्षा की तैयारी करते हैं, कई छात्र वर्षों तक कोचिंग और पढ़ाई में अपना समय लगाते हैं, लेकिन परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं होने से उनका भरोसा टूट रहा है. उन्होंने कहा, छात्र पढ़ाई करना चाहते हैं न कि सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन करना.

पेपर लीक के दोषियों को फांसी की सजा देने की मांग करते हुए विनय उरांव ने कहा कि जब छात्रों के भविष्य के साथ अन्याय होगा, तब उन्हें आवाज उठाने के लिए मजबूर होना पड़ता है.

एनएसयूआई नेताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार परीक्षा प्रणाली को निष्पक्ष और सुरक्षित बनाने में विफल रही है, उन्होंने कहा कि बार-बार पेपर लीक, परीक्षा केंद्रों पर अव्यवस्था और परिणामों को लेकर उठ रहे सवाल यह साबित करते हैं कि व्यवस्था में गंभीर खामियां मौजूद हैं. एनएसयूआई ने मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए.

एशिया कप खेलकर चीन से रांची लौटी दिव्यानी लिंडा, एयरपोर्ट पर हुआ भव्य स्वागत

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची की प्रतिभाशाली फुटबॉल खिलाड़ी दिव्यानी लिंडा एशिया कप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व कर चीन से लौट आई हैं. राजधानी पहुंचते ही एयरपोर्ट पर उनका भव्य और ऐतिहासिक स्वागत किया गया. दिव्यानी की उपलब्धि को लेकर खेल प्रेमियों, ग्रामीणों और बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला. पूरे एयरपोर्ट परिसर में दिव्यानी लिंडा जिंदाबाद और भारत माता की जय के नारों से माहौल गूंज उठा.

स्टार वॉरियर्स फुटबॉल क्लब के दर्जनों बच्चे हाथों में तिरंगा लेकर एयरपोर्ट पहुंचे. बच्चों ने फूल-माला पहनाकर और तालियों की गड़गड़ाहट के साथ दिव्यानी का स्वागत किया. इस स्वागत के दौरान लोगों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला. कई खेल प्रेमियों ने दिव्यानी के साथ तस्वीरें भी खिंचवाई और उनकी उपलब्धि पर गर्व जताया. दिव्यानी लिंडा रांची की इकलौती महिला खिलाड़ी हैं जिन्होंने एशिया कप में खेलकर पूरे झारखंड और देश का नाम रोशन किया है. सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपनी मेहनत, संघर्ष और लगन के दम पर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का मुकाम हासिल किया है. उनकी इस उपलब्धि को ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों और युवा खिलाड़ियों के लिए बड़ी प्रेरणा माना जा रहा है.

गोड्डा में लापता 3 साल की मासूम की हत्या, बोरे में मिला शव

गोड्डा, एजेंसी। झारखंड के गोड्डा जिले के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के मकुंदी दिकवानी गांव में गुरुवार की दोपहर से लापता 3 वर्षीय मासूम बच्ची निशा सोरेन की बेरहमी से हत्या कर दी गई है. मृतका की पहचान गांव के ही रमेश सोरेन की बेटी के रूप में हुई है. इस घटना के बाद से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है और ग्रामीणों में भारी आक्रोश है.

परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, निशा गुरुवार की दोपहर अचानक घर के सामने से लापता हो गई थी. काफी खोजबीन करने के बाद भी जब उसका कहीं पता नहीं चला, तो परिजन और ग्रामीण देर रात तक उसकी तलाश में जुटे रहे. इसी दौरान ग्रामीणों ने पड़ोस के ही एक युवक को संदेहास्पद स्थिति में एक बोरी लेकर जाते हुए देखा. संदेह होने पर जब ग्रामीणों ने उसे रोककर बोरे की तलाशी ली, तो उसमें लापता मासूम निशा सोरेन का शव बरामद हुआ. शव देखते ही ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा.

शव मिलने के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने मौके पर ही आरोपी पड़ोसी प्रेम मुर्मू को दबोच लिया और उसकी जमकर धुनाई कर दी. ग्रामीणों की पिटाई से घायल हुए प्रेम मुर्मू ने पूछताछ के दौरान इस जघन्य अपराध में शामिल एक और सह-आरोपी जर्मन सोरेन का नाम उगला. इसके बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने दूसरे आरोपी जर्मन सोरेन को भी ढूंढ निकाला और उसकी भी बेरहमी से पिटाई कर दी, जिससे दोनों आरोपी अधमरे हो गए. घटना की सूचना मिलते ही मुफ्फसिल थाना पुलिस तुरंत दल-बल के साथ मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया. पुलिस ने ग्रामीणों के चंगुल से दोनों घायल आरोपियों को छुड़ाया और अपनी निगरानी में इलाज के लिए तुरंत सदर अस्पताल भेजा, जहां दोनों का इलाज चल रहा है. वहीं, पुलिस ने मासूम के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है.

मेदिनीनगर में पाइपलाइन से पहुंचेगी रसोई गैस, सिलेंडर से मिलेगी राहत

पलामू, एजेंसी। झारखंड के पलामू जिले के मेदिनीनगर नगर निगम क्षेत्र में विकास और आधुनिक सुविधाओं को लेकर बड़ा कदम उठाया गया है. शहरवासियों को अब जल्द ही गैस सिलेंडर के झंझट से राहत मिलने वाली है. नगर निगम बोर्ड की चौथी बैठक में घर-घर पाइपलाइन के माध्यम से कुकिंग गैस पहुंचाने की महत्वाकांक्षी योजना को मंजूरी दे दी गई है. इस योजना के तहत भारत पेट्रोलियम गैस कंपनी शहर में गैस पाइपलाइन बिछाएगी.

गुरुवार को आयोजित मेदिनीनगर नगर निगम बोर्ड की चौथी बैठक में शहर के विकास से जुड़ी कई अहम योजनाओं पर चर्चा हुई और उन्हें स्वीकृति प्रदान की गई. बैठक की अध्यक्षता मेयर अरुणा शंकर ने की. बैठक में नगर क्षेत्र की बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने, स्वच्छता व्यवस्था मजबूत करने और आधुनिक नगर विकास को लेकर कई प्रस्ताव पारित किए गए. मेयर अरुणा शंकर ने कहा कि शहर की महिलाओं और आम लोगों को सुरक्षित और सुलभ रसोई गैस उपलब्ध कराना नगर निगम की प्राथमिकता है. उन्होंने कहा कि भारत पेट्रोलियम को गैस

पाइपलाइन बिछाने के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र यानी एनओसी दे दिया गया है. कंपनी ने पहले ही इस परियोजना का सर्वेक्षण कार्य पूरा कर लिया है.

मेयर अरुणा शंकर ने इस योजना को महिलाओं के लिए बड़ी सौगात बताया. उन्होंने कहा कि रसोई गैस के लिए सिलेंडर पर निर्भरता कम होने से लोगों को सुविधा मिलेगी और समय की भी बचत होगी. साथ ही घरों तक सुरक्षित गैस आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी. उन्होंने कहा कि 'बहनों को शुद्ध पानी और रसोई गैस सुलभ कराना मेरा मुख्य कर्तव्य है. यह सपना जल्द पूरा होगा.' मेयर ने भरोसा दिलाया कि शहर को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है. नगर निगम द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, गैस पाइपलाइन परियोजना की शुरुआत पहले चरण में शहर के तीन प्रमुख क्षेत्रों से की जाएगी. इनमें रेडमा, बारालोटा और बैरिया इलाके शामिल हैं. इन क्षेत्रों में पाइपलाइन बिछाने के बाद धीरे-धीरे पूरे नगर निगम क्षेत्र में योजना का विस्तार किया जाएगा. स्थानीय लोगों का मानना है कि पाइपलाइन गैस सुविधा शुरू होने से घरेलू कामकाज आसान होगा और गैस सिलेंडर की बुकिंग, ढुलाई और समय पर डिलीवरी की समस्या से राहत मिलेगी. बैठक में मेयर अरुणा शंकर ने नगर निगम के विकास का रोडमैप भी साझा किया. उन्होंने कहा कि आने वाले समय में मेदिनीनगर भी बड़े शहरों की तर्ज पर विकसित नजर आएगा. इसके तहत पूरे नगर निगम क्षेत्र में शुद्ध पेयजल व्यवस्था, अत्याधुनिक पार्क, मजबूत सड़कें और व्यवस्थित नालों का निर्माण कराया जाएगा. उन्होंने कहा कि शहर के आधुनिकीकरण के लिए कई योजनाओं पर काम चल रहा है और चरणबद्ध तरीके से सभी विकास कार्यों को धरातल पर उतारा जाएगा. बैठक के दौरान विभिन्न वार्डों से पहुंचे पार्षदों ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया. सड़क, नाली, जलापूर्ति और साफ-सफाई से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई.

संक्षिप्त समाचार

इलाज की उम्मीद लेकर आए परिजन, पीएमसीएच में ठगी के हुए शिकार

पटना, एजेंसी। पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराने के नाम पर मरीज के परिजनों से 17 हजार रुपये ठग लिए गए। आरोप है कि एक दलाल ने खुद को अस्पताल से जुड़ा व्यक्ति बताकर इलाज और भर्ती में मदद का भरोसा दिया और पैसे वसूल कर फरार हो गया।

मामले की जानकारी सामने आने के बाद अस्पताल प्रशासन हरकत में आया। पीएमसीएच अधीक्षक डॉ. राजीव कुमार सिंह की पहल पर पीड़ित परिजनों ने पीरबहोर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच करते हुए आरोपित की तलाश में जुट गई है।

जानकारी के अनुसार सुपौल जिले के प्रतापगंज थाना क्षेत्र स्थित गंगसायर निवासी ललन कुमार अपनी भाभी पुष्पा देवी को इलाज के लिए पीएमसीएच लेकर पटना पहुंचे थे।

इसी दौरान एक व्यक्ति ने खुद को अस्पताल से जुड़ा बताकर उनसे संपर्क किया। उसने जल्द भर्ती और इलाज कराने का भरोसा देकर 17 हजार रुपये ले लिए। बाद में जब परिजनों को ठगी का एहसास हुआ तो उन्होंने अस्पताल प्रशासन से शिकायत की।

पीएमसीएच अधीक्षक डॉ. राजीव कुमार सिंह ने बताया कि अस्पताल परिसर में सक्रिय दलालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि मरीजों और उनके परिजनों को सतर्क रहने की जरूरत है।

अधीक्षक ने लोगों से अपील की है कि किसी भी अनजान व्यक्ति के झांसे में न आएं। अस्पताल में मिलने वाली सभी सुविधाएं निःशुल्क हैं। ऐसे में किसी को भी पैसे देने से पहले पूरी जानकारी और पड़ताल जरूर कर लें।

पीरबहोर थाना पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपित की पहचान करने में जुटी है।

बिहार में अगले 5 साल में 10 गुना बढ़ेगी एयर कनेक्टिविटी, इन 4 जगहों पर चालू होगा एयरपोर्ट

पटना, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी लगातार एक्शन मोड में हैं. इसके साथ ही बिहार से जुड़े कई जरूरी फैसले ले रहे हैं. इस बीच उन्होंने राज्य में एयर कनेक्टिविटी को मजबूत करने का टारगेट सेट किया है. सीएम सम्राट ने कहा, साल 2005-06 में बिहार से हर साल हवाई यात्रा करने वालों की संख्या मात्र 2.5 लाख के करीब थी, जो अब बढ़कर 50 लाख से अधिक हो गई है.

आगे उन्होंने कहा, अगले 5 सालों में बिहार में एयर कनेक्टिविटी को 10 गुना बढ़ाना हमारा लक्ष्य है. हम ऐसी व्यवस्था बना रहे हैं कि अगले पांच सालों में बिहार से 4 से 5 करोड़ लोग हवाई यात्रा कर सकें. पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी ने न सिर्फ बिहार में सड़कों का जाल बिछाने का काम किया बल्कि एयरपोर्ट का विस्तार करने की दिशा में भी काफी काम किया है.

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जिलों में एयर ट्रैफिक का विस्तार करना है वह चाहे एयरपोर्ट के रूप में हो, एयर स्ट्रीप के रुप में हो या हेलीपोर्ट के रुप हो. मुजफ्फरपुर, रक्सौल, सहरसा और वीरपुर में एयरपोर्ट स्थापित करने के लिए टेंडर हो गया है. पूर्णिया एयरपोर्ट चालू हो चुका है. मुंगेर, अजगैबीनाथ, भागलपुर तथा बेगूसराय के एयरपोर्ट को भी हर हाल में चालू कराना है. अगले सप्ताह सिविल विमानन विभाग एवं भारत सरकार के अधिकारियों के साथ बैठक होनी है. दरभंगा एयरपोर्ट के बारे में कहा, इसका नामकरण बाबा विद्यापति जी के नाम पर हो इसके लिए प्रधानमंत्री से आग्रह करेंगे. इस एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा भी बनाया जाना है. दरभंगा और मिथिला बिहार का मिडिल प्वाइंट है. पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी की ओर से जो विकास कार्य किए गए हैं उससे 3 गुना और अधिक विकास कार्य करना होगा तब ही बिहार विकसित होगा.

मरीजों को रेफर करने के कांसेप्ट को हर हाल में समाप्त करना है..' डॉक्टरों को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का निर्देश

दरभंगा, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में बुधवार को दरभंगा में एक उच्च स्तरीय समीक्षात्मक बैठक हुई. इस बैठक में दरभंगा अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट परियोजना, दरभंगा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (डीएमसीएच) के जीर्णोद्धार कार्य तथा निर्माणाधीन एम्स की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई.

एयरपोर्ट का प्रस्तुतीकरणः दरभंगा एयरपोर्ट परिसर में आयोजित इस बैठक में विमानपत्तन निदेशक ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से न्यू टर्मिनल बिल्डिंग और रोड कनेक्टिविटी की जानकारी दी. उन्होंने परिसर में यात्रियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं, पावर हाउस और एसी प्लांट की ताजा स्थिति के संबंध में मुख्यमंत्री को विस्तार से बताया.

एम्स की कार्य प्रगतिः मुख्यमंत्री को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), दरभंगा के उप निदेशक रजनीश मिश्रा ने भी निर्माणाधीन एम्स की कार्य प्रगति को लेकर प्रेजेंटेशन दिया. उन्होंने अपने प्रेजेंटेशन के जरिए भू-अर्जन, सिविल वर्क, साइट प्लान और रोड कनेक्टिविटी तथा उसके चौड़ीकरण की वर्तमान स्थिति की जानकारी दी.

बुनियादी ढांचे पर चर्चाः उप निदेशक ने एम्स के पास प्रस्तावित रिंग बांध, पेयजल की व्यवस्था और इलेक्ट्रिसिटी कनेक्शन आदि के बुनियादी ढांचे के संबंध में मुख्यमंत्री को विस्तृत जानकारी दी. इसके बाद स्वास्थ्य विभाग के सचिव कुमार रवि ने प्रस्तुतीकरण के जरिए डीएमसीएच के जीर्णोद्धार कार्य के हर पहलू को विस्तार से रखा.

डीएमसीएच का पुनर्विकासः स्वास्थ्य सचिव कुमार रवि ने बताया कि दरभंगा मेडिकल कॉलेज लहेरियासराय में 250 छात्रों का नामांकन हो रहा है और 1700 बेड के अस्पताल का पुनर्विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है. बैठक में स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी इन तीनों परियोजनाओं के संबंध में अपनी-अपनी बातें प्रमुखता से रखीं.

मुख्यमंत्री के कड़े निर्देशः स्थानीय जनप्रतिनिधियों की बातें सुनने के बाद मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि दरभंगा एयरपोर्ट को अंतर्राष्ट्रीय बनाने के लिए जो मानक निर्धारित हैं, उसको ध्यान में रखें. उन्होंने कहा कि नागरिक उड्डयन मंत्रालय के साथ होने वाली अगली बैठक में इन मानकों पर विस्तारपूर्वक चर्चा अवश्य की जाए.

नाइट लैंडिंग की सुविधाः मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दरभंगा एयरपोर्ट पर नाइट लैंडिंग की सुविधा बिना किसी देरी के यथाशीघ्र शुरू कराने का सख्त निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि प्राथमिकता के आधार पर दरभंगा एम्स के निर्माण कार्य में तेजी लाएं और यदि किसी प्रकार की कठिनाई आती है तो उसका त्वरित समाधान करें.

गुणवत्तापूर्ण कार्य के आदेशः मुख्यमंत्री ने डीएमसीएच के पुनर्विकास कार्य में भी तेजी लाकर पूरी तरह गुणवत्तापूर्ण तरीके से कार्य पूर्ण कराने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि यहां डीएमसीएच का जीर्णोद्धार और एम्स का निर्माण चल रहा है, ऐसी स्थिति में लोगों को बेहतर सुविधाएं मिले इसका विशेष ख्याल रखें.

रेफर कल्चर की समाप्तिः मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बिहार के स्वास्थ्य ढांचे को लेकर एक बड़ा फैसला सुनाते हुए कहा कि बिहार में मरीजों को रेफर करने के कॉन्सेप्ट को हर हाल में समाप्त करना है. उन्होंने अधिकारियों को इस 'रेफर कल्चर' को बंद करने के लिए एक विशेष एसओपी बनाने का निर्देश दिया.

सुपर स्पेशियलिटी पर ध्यानः इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि दरभंगा सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में उपलब्ध चिकित्सा सेवाएं मरीजों को आसानी से मिलें, इस पर विशेष ध्यान दें. इस बैठक में मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन मंत्री मदन सहनी और पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ0 रामचंद्र प्रसाद उपस्थित रहे.

वीआईपी काफिले से गायब होंगी गाड़ियां, पीएम मोदी की अपील के बाद नित्यानंद राय ने लिखा पत्र

पटना, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आम लोगों के साथ-साथ सभी राजनेताओं को भी एक बड़ी नसीहत दी है. उन्होंने आह्वान किया है कि सभी नेता अपने आधिकारिक काफिले में कम से कम गाड़ियों का इस्तेमाल करें.अब प्रधानमंत्री के इस विशेष आह्वान का सीधा असर देश के साथ-साथ बिहार की सियासत में भी साफ देखने को मिल रहा है.

गृह राज्य मंत्री की पहलः इस कड़ी में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने पेट्रोल और डीजल की बचत को लेकर एक बड़ी पहल की है. उन्होंने अपने बिहार दौरे के दौरान सुरक्षा व्यवस्था और स्वागत में लगने वाले वाहनों की संख्या को सीमित करने का कड़ा निर्देश जारी किया है. इसको लेकर उनकी तरफ से 13 मई 2026 को दो अलग-अलग पत्र भी जारी किए गए हैं.

सुरक्षा कम करने का पत्रः पहला पत्र केंद्रीय गृह राज्य मंत्री के निजी सचिव प्रशांत रंजन (ढ्ढक्रस्) की ओर से बिहार

सरकार के मुख्य सचिव को भेजा गया है. पत्र में अनुरोध है कि दौरे के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में केवल एक वाहन सीआरपीएफ और एक वाहन राज्य पुलिस का ही लगाया जाए.इसके साथ ही जिला और थाना स्तर से अतिरिक्त वाहन लगाने पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है.

कार्यकर्ताओं के लिए गाइडलाइनः गृह राज्य मंत्री की ओर से दूसरा पत्र भाजपा के बिहार प्रदेश अध्यक्ष को भेजा गया है. इसमें उन्होंने पार्टी कार्यक्रमों और सरकारी आयोजनों में स्वागत के लिए कार्यकर्ताओं द्वारा वाहनों के उपयोग पर रोक लगाने की विशेष अपील की है. उन्होंने साफ लिखा है कि जब भी वे किसी जिले में जाएं, तो वहां स्वागत के लिए गाड़ियों का लंबा काफिला न लगाया जाए.

तीन गाड़ियों से मुख्यमंत्रीः बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भी प्रधानमंत्री की इस नसीहत को पूरी गंभीरता से अपने व्यवहार में लाया है. पहले जहां मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के काफिले में हमेशा 15 से 20 गाड़ियां हुआ करती थीं, वहीं अब वे मात्र तीन गाड़ियों से चल रहे हैं. आज जब मुख्यमंत्री बाहर निकले, तो उनके साथ एक उनकी और दो सुरक्षाकर्मियों की गाड़ियां थीं.

पटना हाईकोर्ट से शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब को राहत, दंडात्मक कार्रवाई पर फिलहाल रोक

पटना , एजेंसी। बिहार की पटना हाईकोर्ट ने पूर्व सांसद शहाबुद्दीन के पुत्र और सीवान के आरजेडी विधायक ओसामा शहाब को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने फिलहाल उनके विरुद्ध किसी भी दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगा दी है। साथ ही राज्य सरकार को मामले की केस डायरी प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है।

अग्रिम जमानत याचिका पर हुई सुनवाई : जस्टिस अजीत कुमार की एकल पीठ ने ओसामा शहाबुद्दीन की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई की। यह याचिका महादेव पुलिस थाना कांड संख्या 73/2026 के तहत दर्ज मामले में दायर की गई थी। यह मामला 15 अप्रैल 2026 को भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज हुआ था।

पहले कहीं नहीं दायर की गई थी याचिका : याचिका में बताया गया कि इस मामले में इससे पहले न तो पटना हाईकोर्ट और न ही सुप्रीम कोर्ट में अग्रिम जमानत की कोई याचिका दायर की गई थी। साथ ही निचली अदालत में भी इस संबंध में कोई मामला लंबित नहीं था। इसके बाद हाईकोर्ट में सीधे राहत की मांग की गई।

भूखंड विवाद से जुड़ा है मामला : एफआईआर के अनुसार सूचक ने एक भूखंड खरीदा था और वहां मकान निर्माण का कार्य शुरू कराया था। आरोप है कि ओसामा शहाब ने फोन कर निर्माण कार्य बंद करने को कहा और ऐसा नहीं करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी।

30-40 हथियारबंद लोगों के साथ पहुंचने का आरोप : शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य जारी रहने पर ओसामा 30 से 40 हथियारबंद लोगों के साथ वहां पहुंचे। वहां तोड़फोड़ की गई और काम कर रहे मजदूरों के साथ मारपीट भी की गई। इसी घटना के बाद पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराई गई। ओसामा ने आरोपों को बताया गलत : वहीं ओसामा शहाब की ओर से कोर्ट में कहा गया कि संबंधित भूखंड उनका था। आरोप लगाया गया कि सूचक दंपति ने फर्जी दस्तावेज के आधार पर जमीन पर कब्जा कर भवन निर्माण शुरू किया था। इसी वजह से विवाद उत्पन्न हुआ।

पहले से दर्ज हैं तीन आपराधिक मामले : कोर्ट में यह भी बताया गया कि ओसामा शहाब के विरुद्ध पहले से तीन आपराधिक मामले दर्ज हैं।

जहानाबाद मे नहीं बढ़ी सीएनजी की कीमत, दो पंपों पर गाड़ियों की लगी भारी भीड़

जहानाबाद, एजेंसी। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी के बाद अब लोगों की नजर सीएनजी पर टिक गई है. सीएनजी के दाम बढ़ने की आशंका के बीच जहानाबाद शहर के दोनों सीएनजी रिफिलिंग सेंटरों पर रविवार सुबह से ही वाहनों की लंबी कतारें लगने लगी. पुरानी दर पर सीएनजी उपलब्ध होने की जानकारी मिलते ही वाहन मालिकों और ड्राइवरों में गैस भरवाने की होड़ मच गई.

शहर के लोदीपुर समेत दोनों प्रमुख सीएनजी रिफिलिंग सेंटरों पर सुबह से भारी भीड़ देखने को मिली. खासकर सीएनजी से चलने वाले ऑटो चालकों की लंबी कतारें लगी रहीं. कई ड्राइवर सुबह से ही नंबर लगाकर घंटों अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए. स्थिति ऐसी हो गई की कई लोगों को सीएनजी भरवाने के लिए दो से तीन घंटे तक लाइन में खड़ा रहना पड़ा. जहानाबाद जिले में बड़ी संख्या में ऑटो सीएनजी से संचालित होते हैं. ऐसे में किराया और कमाई पर असर पड़ने की चिंता को लेकर ऑटो चालक सबसे अधिक परेशान दिखे. कई चालकों ने बताया कि यदि कीमत बढ़ी तो उनकी रोजाना की कमाई प्रभावित होगी. इसी कारण सभी लोग पहले ही टैंक फुल कराने में जुटे हैं. हालांकि सीएनजी कारों की संख्या जिले में कम होने के कारण कार मालिकों की भीड़ कम नजर आई. कई कार मालिकों ने अपने ड्राइवरों को गैस भरवाने के लिए भेज दिया. जबकि कुछ लोग घंटों लाइन में लगने से बचते दिखाई दिए. जानकारी के अनुसार, 20 मार्च 2026 से जहानाबाद में सीएनजी की कीमत 92.90 रुपये प्रति किलो थी. अब नई बढ़ोतरी के बाद इसकी कीमत 94.90 रुपये होने की संभावना है. लेकिन रविवार सुबह तक कंपनी की ओर से नया रेट लागू करने का संदेश नहीं पहुंचा था. जिसके कारण पुरानी कीमत पर ही सीएनजी की बिक्री जारी रही.

ऑर्केस्ट्रा को लेकर जमकर हंगामाः गोपालगंज के होटल रॉल्सन पर पत्थरबाजी, तेज साउंड को लेकर हुआ बवाल

गोपालगंज, एजेंसी। गोपालगंज शहर के अरार मोड़ स्थित होटल रॉल्सन में गुरुवार देर रात जमकर हंगामा और पत्थरबाजी हुई. जिसके बाद होटल परिसर में दहशत का माहौल बन गया. घटना होटल के समीप चल रहे एक ऑर्केस्ट्रा में तेज आवाज में गाना बजाने को लेकर शुरू हुआ. मामला बाद में विवाद और हिंसक झड़प में बदल गया. घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई. अब घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है.

जानकारी के अनुसार, होटल के बगल में आयोजित ऑर्केस्ट्रा कार्यक्रम में देर रात तेज आवाज में गाने बजाए जा रहे थे. होटल संचालक ने इसे लेकर आपत्ति जताई और डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी. सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची. डायल 112 ने दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत कराया गया. जिसके बाद उस समय स्थिति सामान्य हो गई और पुलिस लौट गई.

पुलिस के जाने के बाद देर रात दोबारा होटल स्टाफ और दूसरे पक्ष के कुछ लोगों के बीच कहासुनी होने लगी. देखते ही देखते मामला उग्र हो गया और कुछ लोगों ने होटल पर ईंट-पत्थरों से हमला कर दिया. पत्थरबाजी में होटल के कांच के दरवाजे, खिड़कियां और अन्य सामान क्षतिग्रस्त हो गए. अचानक हुई इस घटना से होटल कर्मियों और आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई.

घटना के दौरान किसी ने पूरी वारदात का वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. वीडियो में होटल परिसर में टूटे शीशे और हंगामे का माहौल देखा जा सकता है. घटना के बाद स्थानीय लोगों में भी दहशत का माहौल बना हुआ है.

घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 और नगर थाना पुलिस फिर से मौके पर पहुंची. पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए इलाके में निगरानी बढ़ा दी है. नगर इंस्पेक्टर पीके प्रभाकर ने बताया कि मामले में एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है. फिलहाल पीड़ित पक्ष की ओर से लिखित शिकायत नहीं दी गई है. शिकायत मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी.

कैमूर में कहर बनकर टूटी आसमानी आफत, 4 की मौत, 50 लोग घायल

कैमूर, एजेंसी। बिहार के कैमूर जिले में बुधवार रात में हुए भयंकर आंधी-मूसलाधार बारिश और तेज हवाओं ने कहर बरपाया.चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि करीब 50 लोग घायल हो गए, जिसमें से तीन-चार गंभीर घायलों को बेहतर इलाज के लिए वाराणसी रेफर कर दिया गया है.

कैमूर में चार की मौतः इस दौरान कई पेड़ उखड़ गए, बिजली के खंभे ढह गए, जिससे यातायात बुरी तरह बाधित हो गया.जिससे जिले में हाहाकार मच गया है. वहीं सदर अस्पताल भभुआ के डॉक्टर कमलेश प्रसाद ने बताया,तेज आंधी-बारिश में चार लोगों की मौत की खबर मिली है, जिसमें तीन शवों का पोस्टमार्टम हो चुका है.

आकाशीय बिजली का टूटा कहरः वहीं पहाड़िया पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि विनय कुमार ने बताया, रात के तूफान में आकाशीय बिजली से मेरी पंचायत में दो मौतें हुई हैं. शाहपुर गांव में मड़ई पर पेड़ गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि पहाड़िया खुर्द में बास के बागान में छुपे हुए एक व्यक्ति पर बास का बागवान गिर पड़ा, जिससे उनकी जान चली गई.

अंधेरे में डूबे ग्रामीण क्षेत्रः आंधी का असर जिले के कई इलाकों में दिखा, जिसमें भभुआ-मोहनिया मार्ग पर पेड़ गिरने से वाहन फंस गए थे. बिजली गुल होने से ग्रामीण क्षेत्र अंधेरे में डूब गए.

राहत कार्य तेजः प्रशासन ने राहत कार्य तेज कर दिया है. फिर से बिजली बदहाल हो चुकी थी. यह प्राकृतिक आपदा जिले के लिए सबक है. मौसम विभाग की ओर से लगातार आंधी की चेतावनी दी जा रही है और ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है. प्रशासन ने बिजली-पेड़ हटाने का कार्य शुरू कर दिया है. यातायात धीरे-धीरे बहाल किया जा रहा है.

पटना सहित 6 जिलों में मॉक ड्रिल, सायरन बजते ही छा गया अंधेरा, रुक गयी गाड़ियां

पटना , एजेंसी। बिहार की राजधानी पटना में सायरन बजते ही अंधेरा छा गया. जो जहां था वहीं रुक गया. पटना की व्यस्त सड़कों पर भी गाड़ियां जहां से गुजर रही थी वहीं पर ठहर गयी. दरअसल शाम 7:00 बजे से सिविल डिफेंस ब्लैकआउट और मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया. हवाई हमले जैसी आपात स्थिति से निपटने की तैयारी और तंत्र की प्रभावशीलता जांचने के लिए सरकार की ओर से इसका आयोजन किया गया.

15 मिनट तक हुआ ब्लैकआउट : राजधानी पटना में पटना नगर निगम, दानापुर निजामत, खगोल और फुलवारी शरीफ के 100 से अधिक स्थानों पर 6:58 पर सायरन बजाया गया. लोगों के अलर्ट के लिये 2 मिनट तक सायरन बजा और फिर 7 बजे ब्लैक आउट हो गया, जो 15 मिनट अर्थात 7.15 बजे तक रहा.

6 जिलों में मॉक ड्रिल का आयोजन : पटना के अलावे यह मॉक ड्रिल किशनगंज, बेगूसराय, पूर्णिया, अररिया और कटिहार जिले में भी किया गया. किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए मॉक ड्रिल के माध्यम से तैयारी की गई. पाकिस्तान

में सिंदूर ऑपरेशन के बाद इस तरह का मॉक ड्रिल पिछले साल भी किया गया था, आज एक बार फिर से किया गया है.

पूरा शहर हुआ ब्लैकआउट : पूर्णिया में भी आज शाम 7:00 से 7:15 बजे तक शहरव्यापी आपातकालीन और हवाई हमले के मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया. 2 मिनट तक सायरन बजा जो पूर्ण ब्लैकआउट का संकेत था. पूर्णिया निवासियों अपने अपने घरों वाहनों और दुकानों में सभी 15 मिनट तक लाइट बंद कर अंधकार में रहे. इसका मुख्य उद्देश्य दुश्मन के द्वारा हवाई हमलो से सुरक्षित रहने की जानकारी दी गई.

वरिष्ठ अधिकारी रहे मौजूद : शहर के प्रमुख सड़कों जैसे आर एन साह चौक पर एनडीआरफ, एसडीआरएफ और पुलिस के वरीय पदाधिकारी के साथ-साथ पुलिसकर्मी शामिल रहे. घायलों को किस तरह अस्पताल पहुंचाया जाए, वह भी आज इस मॉक ड्रिल में दर्शाया गया.

वैशाली का नजारा : हाजीपुर में भी 15 मिनट का सम्पूर्ण ब्लैक आउट रहा. इस दौरान महात्मा गांधी सेतू पर भी गाड़ियों की आवाजाही रोक कर लाइट बंद कर दी गयी. वहीं हाजीपुर शहर में भी लोगों ने सभी लाइट को बंद कर दिया.

कई दिनों की प्लानिंग के बाद एक्शन : इस बार मॉक ड्रिल को सफल बनाने के लिए पिछले कई दिनों से तैयारी की गई. लोगों में जागरूकता के लिए विभिन्न माध्यमों से विज्ञापन भी दिया गया था, सभी तरह की लाइट लोगों को बंद करने के लिए कहा गया था. यहां तक कि मोबाइल का फ्लैश भी ऑन नहीं करने का आग्रह किया गया था.

संक्षिप्त समाचार

अब स्टेशन पहुंचना होगा आसान, शहर में बनेंगे 24 नए पार्किंग स्थल, 50 रूटों पर दौड़ेंगे ऑटो-टेंपो

कानपुर, एजेंसी। कानपुर मेट्रो में यात्रियों की संख्या बढ़ाने एवं सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने के लिए शहर में 24 और पार्किंग स्थल बनाए जाएंगे। इन्हें विकसित करने के लिए मेट्रो ने जमीन मांगी है। लखनऊ में हुई बैठक में मेट्रो स्टेशनों के आसपास के मोहल्लों तक आवागमन के लिए 50 नए ऑटो एवं टेंपो सर्कुलर रूट तय किए गए। शटल बस सेवा भी शुरू करने की योजना है।

यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के बाद मेट्रो प्रशासन की ओर से उठाया गया है। लखनऊ में मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में हुई बैठक में इन फैसलों पर मुहर लगी। बैठक में बताया गया कि कानपुर में 24 नए पार्किंग स्थल बनाए जाएंगे, जिनकी निविदा प्रक्रिया नगर निगम की ओर से जारी की गई है।

व्यापक जनजागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा

50 नए ऑटो एवं टेंपो सर्कुलर रूट पर नए स्टॉप भी निर्धारित किए गए हैं। इससे मेट्रो स्टेशनों तक पहुंच आसान होगी। सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा। प्रमुख सरकारी आवासीय कॉलोनियों और कार्यालयों को नजदीकी मेट्रो स्टेशनों से जोड़ने के लिए शटल बस सेवाएं शुरू करने पर भी सहमति बनी है।

इन मेट्रो स्टेशनों में है पार्किंग की सुविधा

रावतपुर, एलएलआर, मोतीझील, नवीन मार्केट, नयागंज, कानपुर सेंट्रल। इनके अलावा झकरकटी और ट्रांसपोर्टनगर में पीपीपी मॉडल पर वाहन पार्किंग स्थल विकसित किए गए हैं।

बेहतर कनेक्टिविटी पर जोर

यूपीएमआरसी के एमडी सुशील कुमार ने कहा कि मेट्रो सेवाओं को आसान बनाने के लिए कनेक्टिविटी मजबूत करना बेहद जरूरी है। उन्होंने पर्याप्त पार्किंग सुविधाओं के विकास पर भी जोर दिया, ताकि अधिक लोग मेट्रो का उपयोग कर सकें। कॉरपोरेशन एप आधारित मोबिलिटी सेवाओं जैसे यूटीयू मोबिलिटी के माध्यम से कनेक्टिविटी को मजबूत कर रहा है।

छात्राओं ने पूछे सुरक्षा से जुड़े सवाल

अलीगढ़, एजेंसी। छात्राओं को कानून, सुरक्षा और पुलिस व्यवस्था की जानकारी देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी भी दी गई। प्रभारी महिला थाना प्रभारी रेणुका चौधरी और महिला पुलिसकर्मियों ने छात्राओं को शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया के बारे में बताया।

छात्राओं को बताया कि छेड़छाड़, साइबर फ्रॉड, ब्लैकमेलिंग या घरेलू हिंसा की स्थिति में किस तरह पुलिस से मदद ली जा सकती है। छात्राओं ने सवाल किया कि सोशल मीडिया पर फर्जी आईडी बनाकर परेशान करने, ऑनलाइन ठगी, स्कूल-कॉलेज आते-जाते समय असुरक्षा की स्थिति, रात में ऑटो, ई- रिक्शा में सफर के दौरान चालक द्वारा सुनसान इलाकों में वाहन लेकर जाने पर क्या कदम उठाए जाएं। इन सभी सवालों के जवाब देते हुए उन्हें जागरूक रहने और तुरंत शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी गई। छात्राओं को महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112 और साइबर हेल्पलाइन 1930 के बारे में भी जानकारी दी गई। इस अवसर पर कल्याणी, तनु शर्मा, गार्गी गौतम आदि थे।

सीसीटीवी बंद, संदिग्ध गतिविधियां: आगरा विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में गड़बड़ी

सचल दल के निरीक्षण में खुली पोल

आगरा, एजेंसी। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय की सम सेमेस्टर की परीक्षाओं में कई केंद्रों में सीसीटीवी कैमरे बंद मिले हैं। इनमें संदिग्ध गतिविधि भी भी मिली है। ऐसे संदिग्ध गतिविधि वाले केंद्रों पर औचक जांच के लिए गोपनीय सचल दल बनाया है। ये दल जांच करके रिपोर्ट बनाएंगे, इसके आधार पर कार्रवाई तय होगी। विश्वविद्यालय के स्नातक में बीए, बीकॉम, बीएससी और परास्नातक की एमए, एमकॉम और एमएससी की सम सेमेस्टर की परीक्षाएं संचालित हो रही हैं। परीक्षा 24 मई तक चलेंगी। सचल दल परीक्षा वाले दिन औसतन 8-10 केंद्रों का निरीक्षण कर रिपोर्ट दे रहे हैं। इनमें कई ऐसे कॉलेज हैं, जिनमें परीक्षा के बीच सीसीटीवी कैमरे बंद हुए, या फिर अन्य गड़बड़ी की गई। कुछ में कक्ष निरीक्षक और परीक्षार्थियों की संदिग्ध गतिविधि भी मिली है।

इन कॉलेजों की सूची बनाई गई है, इनमें जांच के लिए गोपनीय सचल दल बनाया है। ये परीक्षा के दिन औचक निरीक्षण करेगा, केंद्र की वीडियोग्राफी भी की जाएगी। जांच रिपोर्ट आने के

बाद विश्वविद्यालय प्रशासन कार्रवाई की रिपोर्ट बनाकर राजभवन को भेजेगा। परीक्षा नियंत्रक डॉ. ओमप्रकाश ने बताया कि परीक्षा नकलविहीन कराने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन सख्ती बरत रहा है। 6 केंद्र निरस्त भी कर दिए हैं। कई परीक्षा केंद्रों में सीसीटीवी कैमरे संचालित नहीं मिले, या फिर बार-बार संपर्क टूट रहा है। कक्षों में भी कक्ष निरीक्षक-परीक्षार्थियों की गतिविधि संदिग्ध मिली है। सचल दल के आने पर अफरा-तफरी की स्थिति भी मिली है। इन केंद्रों की गोपनीय सचल दल से जांच कराई जा रही है। रिपोर्ट बनाकर कार्रवाई तय होगी।

सामूहिक नकल पर छह परीक्षा केंद्र हो चुके हैं निरस्त

परीक्षा नियंत्रक डॉ. ओमप्रकाश ने बताया कि सामूहिक नकल करने पर आगरा और मथुरा के छह परीक्षा केंद्र निरस्त किए जा चुके हैं। इसमें मथुरा के चार और आगरा के दो कॉलेज हैं। मथुरा के आरएसएस पीजी कॉलेज बल्देव, एसबीएस कॉलेज फालोन छाता, एसजीएल कॉलेज ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी गोवर्धन, एसजीएल गर्ल्स कॉलेज ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी गोवर्धन, जगनेर के श्री सुरेश चंद्र शर्मा डिग्री कॉलेज और खेरागढ़ के राम हरि महाविद्यालय के परीक्षा केंद्र निरस्त हो चुके हैं। कई पर पर्यवेक्षकों की निगरानी में परीक्षा हो रही है।

पैसे के लेनदेन को लेकर किया हमला, हिंदू संगठन पहुंचा थाने पर

मेरठ, एजेंसी। लालकुर्ती थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार शाम पैसों के लेनदेन को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई। मारपीट में सचिन व राहुल घायल हो गए। मामला दूसरे समुदाय से जुड़ा होने की सूचना पर अखिल भारतीय हिंदू सुरक्षा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सचिन सिरोही कार्यकर्ताओं के साथ थाने पहुंचे। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने आरोपी सुभान के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। आफताब की कोठी निवासी राहुल ने थाने पर तहरीर देते हुए बताया कि उसका सुभान से आठ हजार रुपये के लेनदेन को लेकर विवाद चल रहा था। बृहस्पतिवार शाम वह सचिन व शिवम के साथ घर से दुकान की ओर जा रहा था। इसी बीच आरोपी सुभान व उसके साथियों ने उनका रास्ता रोक लिया। दोनों पक्षों में जमकर कहा सुनी हो गई। आरोप है कि इसी बीच सुभान व उसके साथियों ने उन पर हमला कर दिया। हमले में राहुल घायल हो गया। हमला करने के बाद आरोपी मौके से भाग गए। दूसरे समुदाय के युवक द्वारा हमला करने की सूचना पर विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के हिमांशु शर्मा कार्यकर्ता थाने पहुंचे। हिंदू संगठन ने आरोपियों के गिरफ्तारी की मांग की। एसपी सिटी विनायक गोपाल भोसले ने थाने पहुंचकर कार्यकर्ताओं को शांत किया। वहीं आरोपी की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया। एसपी सिटी का कहना है कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। शुक्रवार को न्यायालय में पेश किया जाएगा।

10 किमी दूर से दिखा मौत का धुआं

सात सिलिंडर धमाकों से दहला इलाका, मंडी में 'जीरो' सुरक्षा

कानपुर, एजेंसी। कानपुर की चकरपुर मंडी में गुरुवार दोपहर शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। एलपीजी के सात सिलिंडर फटने से आग ने विकराल रूप ले लिया। सूचना पर दमकल की आठ गाड़ियां पहुंचीं और करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस दौरान मंडी की 44 दुकानें राख हो गईं। दुकानों में रखे फल, सब्जियां, नकदी और दस्तावेज जलने से करीब चार करोड़ का नुकसान हुआ है।

सचेंडी स्थित चकरपुर मंडी के चबूतरा नंबर छह पर लाल बच्चन, याकूब, आसिफ मुजीद, सौरभ, शाहरुख, हक ब्रदर्स, अब्दुल जलील, अभिनेश पाल, अली वारिस व अन्य की फल और सब्जियों की 44 दुकानें हैं। लोगों के मुताबिक, गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे लाल बच्चन की दुकान नंबर दो में खंभे से आई केबल में शॉर्ट सर्किट से चिंगारी निकली और फलों को पैक करने वाली घास में आ गिरी।

फायर स्टेशनों से आठ गाड़ियां पहुंचीं थीं

प्लास्टिक के क्रेट और बोरे रखे होने के चलते कुछ ही देर में आग भड़क गई और विकराल रूप ले लिया। तेज हवा के चलते आग लाल बच्चन की दुकान से निकल कर अगल-बगल की दुकानों में फैल गई। इसके बाद दुकानों में रखे एलपीजी सिलिंडरों में ब्लॉस्ट होने लगे तो पूरी मंडी में अफरातफरी मच गई। आनन-फानन दमकल को सूचना दी गई। मौके पर पनकी, फजलगंज, मीरपुर, कर्नलगंज, जाजमऊ, माती के फायर स्टेशनों से आठ गाड़ियां पहुंचीं और तीन घंटे बाद आग पर काबू पाया जा सका।

तेज धमाकों से दहल गया इलाका, 10 किमी दूर से दिखा धुआं- चकरपुर मंडी की फल और सब्जियों की दुकानों में काम करने वाले पल्लेदार एलपीजी सिलिंडरों में खाना बनाते हैं।

एक दुकान पर 4-5 पल्लेदार काम करते हैं। गुरुवार को आग लगने के बाद सात सिलिंडर धमाके के साथ फट गए। इससे आसपास का इलाका दहल उठा। आग की लपटें करीब 10 मीटर तक उठ रही थीं। करीब 10 किमी दूर से आग का धुआं उठता दिखाई दे रहा था।

65 एकड़ में फैली मंडी में आग से बचाव के उपाय नहीं- 65 एकड़ में फैली चकरपुर मंडी में 600 दुकानें रजिस्टर्ड हैं। यह प्रदेश की बड़ी मंडियों में शुमार है। रोजाना सैकड़ों ट्रकों की आवाजाही होती है। करोड़ों का व्यापार होता है। इसके बावजूद यहां अव्यवस्थाओं की भरमार है। आग बुझाने के यंत्र नहीं हैं।

मंडी के गेट से घटनास्थल तक पहुंचने में दमकल की गाड़ी को 15 मिनट लग गए। यही कारण है कि आग लगने के बाद व्यापारियों का गुस्सा फूट पड़ा। हरी सब्जी आढ़ती व्यापार मंडल अध्यक्ष सौरभ पांडेय, सरदार नीतू सिंह ने बताया कि मंडी समिति ने यहां कोई व्यवस्था नहीं की है। आग से बचाव के उपकरण तक नहीं है।

- **अनार, अदरक, टमाटर नष्ट-** आग से दुकानों में रखा चार लाख रुपये का टमाटर, 12 लाख की अदरक, चार लाख की गाजर, पांच लाख की इमली, लाखों रुपये के नींबू के अलावा अनार, सेब, अंगूर सहित करोड़ों रुपये रुपये का नुकसान हो गया।

आरपीएफ कमांडेंट कार्यालय पहुंचे डीआरएम

वाराणसी, एजेंसी।

पूर्वोत्तर रेलवे के डीआरएम आशीष जैन ने बृहस्पतिवार को कमांडेंट कार्यालय का निरीक्षण कर यहां जवानों को मिलने वाली सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने कार्यालयों में कामकाज, फाइलों के रखरखाव की निगरानी करते रहने को कहा।

डीआरएम ने रेलवे सुरक्षा बल कमांडेंट, कार्यालय में जवानों के लिए बनी कैंटीन में पूजन किया और प्रभारी निरीक्षक अंजू लता द्विवेदी ने फीता काटकर उद्घाटन किया। यहां कर्मचारियों को यहां उचित दर पर सामान मिलेगा। डीआरएम ने कैंटीन में मिलने वाली उत्पादों की गुणवत्ता भी परखी। उन्होंने कार्यालय परिसर में शाखाओं के कमरे एवं उनकी कार्यप्रणाली, सुरक्षा व्यवस्थाओं एवं उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली।

जिंदा बच्चे, फिर भी घर नहीं ...वृद्धाश्रम में सिमटती जिंदगी

अलीगढ़, एजेंसी। बच्चों के जीवित रहते हुए भी बुजुर्गों की जिंदगी वृद्धाश्रमों में सिमट कर रह गई है। उम्र के आखिरी पड़ाव में बच्चे माता-पिता को अपने साथ रखने को तैयार नहीं हैं। जिले के चार वृद्धाश्रमों की दीवारों के भीतर 137 बुजुर्ग महिला-पुरुषों की चुप्पी रिश्तों की बदलती तस्वीर बयां कर रही है। विश्व परिवार दिवस पर की गई बातचीत में उनका दर्द झलक आया।

- **केस - एक-** कासगंज के मंडी बाजार के रहने वाले 65 वर्षीय जयवीर सिंह कहते हैं जिन दो बच्चों को चलना सिखाया, पढ़ाया-लिखाया और उनकी जिंदगी संवारने में अपनी पूरी उम्र लगा दी, उन्होंने ही उम्र के अंतिम पड़ाव पर अकेले जिंदगी बिताने को मजबूर कर दिया।
- **केस - दो-** शहर के घनश्यामपुरी के 62 वर्षीय भूषण बत्रा कहते हैं कि उनका एक बेटा व एक बेटी है। बेटी की शादी के बाद मकान बेटे के नाम कर दिया। इसके बाद बेटे-बहू का व्यवहार बदल गया। रोज के विवाद से तंग आकर वृद्धाश्रम में रहने को मजबूर हो गए।
- **केस - तीन-** विजयगढ़ की 64 वर्षीय शकुंतला बताती हैं कि पति के निधन व दोनों बेटियों की शादी होने के बाद परिवार के अन्य सदस्यों ने संपत्ति को लेकर क्लेश करनी शुरू कर दी। खुद के अकेलेपन के चलते उन्हें आश्रम आना पड़ा। परिवार के लोग कभी हालचाल पूछने भी नहीं आते।
- **केस - चार-** हरदुआगंज की तुलसा देवी बताती हैं कि उनकी तीन बेटियां व दो बेटे हैं। दोनों बेटे अच्छी नौकरी में हैं, लेकिन बहुओं से अनबन के बाद बेटों ने अलग रहने की सलाह दे दी।

इसके बाद उन्हें घर छोड़ना पड़ा। पिछले डेढ़ महीने से ओल्ड एज होम में रह रही हैं।

पिछले पांच साल में ऐसे मामले बढ़े- श्री दाऊजी सेवाधाम वृद्धाश्रम असदपुर कयाम के प्रबंधक मोनू शर्मा के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में ऐसे मामलों में तेजी आई है, जहां बच्चे नौकरी, निजी जीवन या पारिवारिक विवादों का हवाला देकर बुजुर्गों को साथ रखने से इनकार कर देते हैं। कुछेक बुजुर्गों को महीने का खर्च भेज दिया जाता है, लेकिन भावनात्मक साथ नहीं मिलता।

शहर के ज्यादातर पंप पर पेट्रोल-डीजल खत्म

गोरखपुर, एजेंसी। पेट्रोल संकट के कारण शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। शहर के कई प्रमुख पेट्रोल पंपों पर दिन में ही पेट्रोल खत्म हो गया, जिससे वाहन चालकों में अफरा-तफरी मच गई। लोग एक से दूसरे पंप तक पेट्रोल की तलाश में दौड़ते रहे। शहर के शाहपुर, गीता वाटिका, खजांची चौराहा, पादरी बाजार, बशारतपुर और यूनिवर्सिटी क्षेत्र के आसपास स्थित कई पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल उपलब्ध नहीं था। इसके चलते वाहन चालकों की लंबी कतारें उन पंपों पर लग गईं, जहां पेट्रोल मिल रहा था। धर्मशाला बाजार और राप्तीनगर चौराहे के पास स्थित पेट्रोल पंपों पर दिन भर भीड़ बनी रही, लेकिन शाम तक वहां भी पेट्रोल खत्म हो गया। पादरी बाजार निवासी अवनीश ने बताया कि उनकी गाड़ी में पेट्रोल कम था। वह तीन अलग-अलग पेट्रोल पंपों पर गए लेकिन कहीं पेट्रोल नहीं मिला और आखिरकार उन्हें घर लौटना पड़ा। ग्रामीण क्षेत्रों में भी हालात खराब रहे। खोराबार, खजनी, भटहट, सिकरीगंज, महादेवा बाजार और धुरियापार समेत कई इलाकों में पेट्रोल की किल्लत के कारण लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। खेती-किसानी और रोजमर्रा के कामों के लिए वाहन चलाने वालों की परेशानी और बढ़ गई।

खजनी में ज्यादातर पेट्रोल पंप पर पेट्रोल खत्म

उनवल। खजनी क्षेत्र में इन दिनों पेट्रोल और डीजल की भारी किल्लत से जनजीवन प्रभावित हो गया है। नंदापार, कटघर, सतुआभर, भियुरी, चतुरबंदुआरी, हरनहीं और बढ़नी समेत अधिकांश पेट्रोल पंप ड्राई हैं। इससे लोगों को दिक्कत हो रही है।

कई पेट्रोल पंप हुए ड्राई, लोग हो रहे परेशान

कुईं बाजार। सिकरीगंज क्षेत्र के हरदत्तपुर, ढेबरा बाजार और अमोढ़ा स्थित पेट्रोल पंप पर पेट्रोल-डीजल नहीं मिला। यहां सप्ताह भर से किल्लत बनी हुई है। पेट्रोल पंपों पर तेल की उपलब्धता नहीं होने से लोग बृहस्पतिवार को सुबह से ही चक्कर लगाते रहे लेकिन कहीं राहत नहीं मिली। उमेश सिंह कौशिक, विनोद यादव, अरुण, मनीष शर्मा, सतीश राय, पप्पू कुमार आदि ने बताया कि हरदत्तपुर पेट्रोल पंप पर डीजल और पेट्रोल बुधवार से ही समाप्त है।

जहां मां बनी डॉक्टर, वहां बेटा बनाएगा एआई लैब

अलीगढ़, एजेंसी। ऑपरेशन थिएटर की रोशनी से लेकर एआई लैब की स्क्रीन तक यह सफर सिर्फ जगह का नहीं, सोच का है। जहां मां ने डॉक्टर बन जिंदगियां बचाने का हुनर सीखा, वहां बेटा अब तकनीक को जिंदगी के और करीब लाने की तैयारी में है। बदलते दौर की यह तस्वीर अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) से बाहर आई है।

लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के छात्र रहे सैयद मोहम्मद वहीद ने विश्वविद्यालय प्रबंधन को 34 लाख रुपये दान में दिए हैं। इस बजट से विश्वविद्यालय परिसर में आगातमी तीन माह में एआई लैब बनाई जाएगी।

यहां इंजीनियरिंग के छात्र न सिर्फ भारत की अपनी एल्गोरिदम तैयार करेंगे, बल्कि तकनीक के जरिये आम आदमी के रोजमर्रा से जुड़े कामों को एआई की मदद से आसान करने के मॉडल भी विकसित करेंगे। सैयद

मोहम्मद ने बताया कि उनकी मां डॉ. मसर्रत शिकोह सऊदी अरब के गृह मंत्रालय में प्रसूति व स्त्री रोग विशेषज्ञ हैं। उनकी मां ने एएमयू के अधीन जेएन मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस किया।

आज भी उनकी मां अलीगढ़ और एएमयू से जुड़े किस्से सुनाती हैं। सैयद मोहम्मद के अनुसार, अलीगढ़ को उन्होंने हमेशा अपनी मां की यादों से समझने का प्रयास किया है। यहां का सामाजिक सौहार्द और शिक्षा के प्रति माहौल से वे काफी प्रेरित भी हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एआई एंबेसडर और एआई एथिक्स विषय के प्रख्यात लेखकों में से एक सैयद मोहम्मद ब्रिटेन सरकार के साथ एआई से जुड़े मॉडल विकसित कर चुके हैं।

बृहस्पतिवार को एएमयू परिसर में जब सैयद मोहम्मद ने 34 लाख रुपये का चेक दिया तो वहां मौजूद हर कोई उनके परिवार से जुड़े किस्से साझा करने लगा।

काशी अभिमान टमाटर का उत्पादन बढ़ाने के लिए नागपुर की कंपनी से हुआ समझौता

वाराणसी, एजेंसी। भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान ने विकसित उन्नत टमाटर संकर काशी अभिमान के अनुसंधान, उत्पादन एवं विपणन अधिकारों के लिए नागपुर की कंपनी रियल एग्री क्रिएशन प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता किया है। इस पर संस्थान के निदेशक राजेश कुमार और कंपनी के प्रतिनिधि ने हस्ताक्षर किए। यह समझौता संस्थान की ओर से विकसित उन्नत प्रजातियों की बढ़ती विश्वसनीयता का प्रतीक माना जा रहा है। डॉ. राजेश कुमार ने कहा कि काशी अभिमान टमाटर के फल गहरे लाल रंग और सख्त बनावट वाले होते हैं।

किसानों को बताए नैनो डीएपी और यूरिया प्लस के फायदे

अलीगढ़, एजेंसी। क्षेत्र के गांव बहरावद में खेतों में पहुंचकर इफको के अधिकारियों ने किसानों को नैनो यूरिया और डीएपी के इस्तेमाल से तैयार की गई मक्का की फसल में बेहतर परिणाम दिखाया। इफको के क्षेत्रीय प्रबंधक बीके निगम ने कहा कि मक्का की बोवाई के समय बीज को 10 एमएल प्रति किलोग्राम की दर से नैनो डीएपी से शोधित करके ही बोएं। फसल में नैनो यूरिया का छिड़काव करें। एसएफए राहुल कुमार ने कहा कि किसान देवेंद्र गुप्ता के खेत में 19 फरवरी को नैनो डीएपी से बीज शोधन कर दानेदार डीएपी की मात्रा आधी से कम

रखते हुए बोवाई की गई। फसल 20-25 दिन पर पहली और 40-45 दिन की होने पर नैनो यूरिया प्लस का छिड़काव किया गया। इफको के प्रशिक्षु अधिकारी यश यादव ने कहा कि नैनो उर्वरक सीधे पत्तियों पर कार्य करता है, जिससे पौधे को पोषण जल्दी मिलता है और वृद्धि तेज होती है। इससे मृदा की सेहत सुधरती है, पानी और जमीन में प्रदूषण कम होता है, दाने और फल का विकास बेहतर होता है, गुणवत्ता बढ़ती है और लागत में कमी आती है। इस मौके पर किसान हिमांशु मित्तल ने अपनी बेहतर फसल के बारे में जानकारी दी।

राहुल गांधी की आय से अधिक संपत्ति का मामला: हाई कोर्ट ने सीबीआई और ईडी से मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने सीबीआई, ईडी, गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआईओ) और अन्य अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ कथित तौर पर अनुपातहीन संपत्ति होने के आरोप वाली एक याचिका पर आठ हफ्तों के भीतर अपना जवाब दाखिल करें। जस्टिस राजेश सिंह चौहान और जफर अहमद की डिवीजन बेंच ने कर्नाटक के भाजपा कार्यकर्ता एस विग्नेश शिशिर की क्रिमिनल रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। शिशिर खुद कोर्ट में पेश हुए थे। चैंबर में हुई सुनवाई के दौरान सीबीआई की ओर से पेश वकील ने इलाहाबाद हाई कोर्ट को 11 मई के लिखित निर्देशों के आधार पर बताया कि जांच एजेंसी को याचिकाकर्ता की शिकायत मिल गई है और वह आठ हफ्तों के भीतर अपना जवाब दाखिल करेगी। इसी तरह, ईडी के वकील ने जस्टिस चौहान की अध्यक्षता वाली बेंच के सामने 9 मई के निर्देशों के आधार पर बताया कि मनी लॉन्ड्रिंग रोकने वाली इस केंद्रीय एजेंसी को भी शिकायत मिल गई है और वह आरोपों की जांच कर सकती है। दलीलों को रिकॉर्ड करते हुए इलाहाबाद हाई कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि यह उम्मीद की जाती है कि यदि याचिकाकर्ता की शिकायत प्राप्त हुई है, तो शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच कानून के अनुसार की जाएगी। यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि सीबीआई या ईडी कानून के तहत अनुमत उचित कदम उठा सकती हैं। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने याचिकाकर्ता को इस मामले में कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, वित्त मंत्रालय के तहत राजस्व विभाग और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के माध्यम से भारत संघ को अतिरिक्त पक्ष के रूप में शामिल करने की भी अनुमति दी। इसमें निर्देश दिया गया कि सभी पक्ष, जिनमें नए शामिल किए गए अधिकारी भी शामिल हैं, आठ हफ्तों के भीतर अपने-अपने जवाबी हलफनामे दाखिल करें और याचिकाकर्ता की शिकायत के संबंध में हुई प्रगति का ब्योरा रिकॉर्ड पर रखें। जस्टिस चौहान की अध्यक्षता वाली बेंच ने आगे आदेश दिया कि मामले में दाखिल की गई पेपर-बुक और दस्तावेज सीलबंद लिफाफे में ही रहें और इलाहाबाद हाई कोर्ट के सीनियर रजिस्ट्रार की सुरक्षित हिरासत में रखे जाएं।

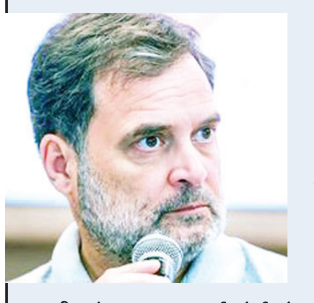

जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की अवमानना कार्रवाई के बाद अब क्या करेंगे केजरीवाल?

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली शराब घोटाला मामले में जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने गुरुवार, 14 मई को अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह, सौरभ भारद्वाज, विनय मिश्रा और दुर्गेश के खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्यवाही शुरू करने का आदेश दिया है। मामला कथित तौर पर अदालत की कार्यवाही और जांच एजेंसियों को लेकर सोशल मीडिया पोस्ट एवं सार्वजनिक बयानों से जुड़ा है। दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा आपराधिक अवमानना की कार्यवाही शुरू किए जाने के बाद अब नजर इस बात पर है कि आगे कानूनी प्रक्रिया किस दिशा में बढ़ेगी। कानूनी जानकारों का मानना है कि मामले में संबंधित नेताओं के पास अदालत के सामने अपना पक्ष रखने से लेकर बिना शर्त माफी मांगने और जरूरत पड़ने पर ऊपरी अदालत में अपील करने तक कई विकल्प मौजूद हैं।

आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और हल्की बूंदाबांदी की चेतावनी दी थी

दिल्ली में न्यूनतम तापमान 26.2 डिग्री

नई दिल्ली, एजेंसी। भीषण गर्मी की मार झेलने के बाद दिल्ली के मौसम ने अचानक करवट बदली। दिनभर लू और तपती धूप से जूझने के बाद, रात होते ही तेज हवाओं ने दस्तक दी जिससे लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिली। वहीं भारत मौसम विज्ञान विभाग पहले ही येलो अलर्ट जारी कर शाम या रात के दौरान आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और हल्की बूंदाबांदी की चेतावनी दी थी। मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार, इस दौरान हवाओं की रफ्तार 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटा तक रहने की संभावना जताई गई थी। वहीं मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, दिल्ली में शुक्रवार की सुबह काफी गर्म रही और न्यूनतम तापमान 26.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने सुबह के समय 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाएं, गरज-चमक और बिजली के साथ बहुत हल्की से हल्की बारिश होने की संभावना जताई है।

न्यूनतम तापमान 24.6 डिग्री सेल्सियस: मौसम विज्ञान विभाग के आंकड़ों के अनुसार, पालम मौसम केंद्र में न्यूनतम तापमान 24.6 डिग्री सेल्सियस और लोधी रोड पर 25.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, रिज स्टेशन पर न्यूनतम तापमान 24.3 डिग्री सेल्सियस और आयानगर में 25.6 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विज्ञान विभाग ने दिन के दौरान आंशिक रूप से बादल छाए रहने का अनुमान जताया है, जबकि अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के मुताबिक, सुबह 9 बजे दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 160 दर्ज किया गया, जो मध्यम श्रेणी में आता है। गुरुवार को न्यूनतम तापमान 23.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो सामान्य से दो डिग्री सेल्सियस कम था, वहीं वायु गुणवत्ता मध्यम श्रेणी में दर्ज की गई थी।

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने आंशिक रूप से बादल छाए रहने का पूर्वानुमान व्यक्त किया और अधिकतम तापमान के 39 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना जताई है। सीपीसीबी के अनुसार, दिल्ली में गुरुवार सुबह नौ बजे एक्यूआई 134 दर्ज किया गया, जो मध्यम श्रेणी में आता है। सीपीसीबी के मानकों के अनुसार, शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है।

ऑफिस की बिल्डिंग से कूदकर महिला ने दी जान, भाई बोला- पूरी सैलरी हड़प लेता था पति

नई दिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां सेक्टर-65 में एक प्राइवेट कंपनी की सीनियर अकाउंट एग्जीक्यूटिव ने ऑफिस की पांचवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महिला के पति को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। महिला के परिवार ने आरोप लगाया है कि पति द्वारा किए जा रहे उत्पीड़न ने उसे आत्महत्या के लिए मजबूर किया। पुलिस के अनुसार, सेक्टर 65 थाने में मृतका के पति और ससुराल वालों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने की एफआईआर दर्ज की गई है। इसके बाद पुलिस ने मेरठ निवासी पति अमित सिंघल को गिरफ्तार कर लिया, जो पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट है। पुलिस ने बताया कि मूल रूप से देहरादून की रहने वाली मृतका जागृति बारी सिंघल, कंपनी में करीब 12 लाख रुपये सालाना के पैकेज पर काम कर रही थी। मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस के मुताबिक, बुधवार दोपहर करीब 2 बजे जागृति वर्ल्डमार्क बिल्डिंग स्थित अपने ऑफिस की पांचवीं मंजिल पर थी और मोबाइल फोन पर बात करते समय उसने अचानक वहां से छलांग लगा दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और उसे नजदीकी अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

दिल्ली की अनधिकृत कॉलोनियों में रहने वालों को पीएम उदय सेल से मिल सकेगा मालिकाना हक

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली की अनधिकृत कॉलोनियों में रहने वाले लाखों लोगों को पीएम उदय योजना के तहत उनकी संपत्ति का मालिकाना हक मिलेगा। इसके लिए राजस्व विभाग में पीएम उदय शाखा और दिल्ली के सभी 13 जिलों में पीएम उदय सेल का गठन किया जा रहा है। एडिशनल डिविजनल मजिस्ट्रेट (एडीएम) की निगरानी में इस प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा।

45 दिन के भीतर मिलेगा संपत्ति का मालिकाना हक दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के पास मौजूद सभी आवेदन भी अब राजस्व विभाग को भेज दिए जाएंगे। इसके बाद लोगों को आवेदन स्वीकार होने के 45 दिन के भीतर उनकी संपत्ति का मालिकाना हक मिल जाएगा।

पीएम उदय योजना के तहत दिल्ली की 1500 से ज्यादा कच्ची कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को उनके मकान का मालिकाना हक दिया जा रहा है। पहले यह काम डीडीए कर रहा था। बीते दिनों आवास एवं शहरी मामलों के केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने इसकी जिम्मेदारी

दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग को सौंपने का निर्णय लिया था।

राजस्व विभाग होगा नोएडा एजेंसी: उपराज्यपाल की मंजूरी से दिल्ली सरकार का राजस्व विभाग इस योजना के लिए नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करेगा। उपराज्यपाल के निर्देश पर इसके लिए गाइडलाइंस बनाई गई हैं। इसके तहत प्रत्येक जिले के एडीएम को यह शक्ति होगी कि वह आवेदन को स्वीकार या अस्वीकार कर सकता है। संपत्ति में विवाद को लेकर वह स्वयं या न्यायिक जांच करा सकते हैं। आवेदक पीएम उदय पोर्टल या मोबाइल ऐप पर जाकर अपनी और संपत्ति की सामान्य जानकारी देकर रजिस्ट्रेशन करेंगे। इससे उन्हें रसीद जारी होगी। जिसमें डीडीए से अधिकृत जीआईएस एजेंसियों के नंबर मिल जाएंगे।

पोर्टल पर उपलब्ध फॉर्म में कॉलोनी, मकान, फ्लोर, जमीन, मालिकाना हक की जानकारी देनी होगी। इससे आवेदक को एसएमएस और मेल से केस आईडी मिल जाएगी।

अधिकृत जीआईएस एजेंसी से अपने मकान का सर्वे कराना होगा।

आवेदक को संपत्ति की जीपीए चेन, वसीयतनामा, भुगतान रसीद, बिजली का बिल, पेन कार्ड, आधार कार्ड और खाली पेपर पर हस्ताक्षर कर दस्तावेज तैयार करने होंगे। प्रॉपर्टी की चेन न होने पर बॉन्ड देना होगा। फिर आगे की प्रक्रिया होगी। स्वामित्व अधिकार और निर्माण कार्य के नियम सरल बनाए गए गौरतलब है कि, बीते 7 अप्रैल को केंद्र सरकार ने दिल्ली की कुल 1,731 अनधिकृत कॉलोनियों में से 1,511 अनधिकृत कॉलोनियों में जैसा है, जहां है पात्रता मानदंड के आधार पर संपत्तियों को नियमित करने के लिए एक नई नीति की घोषणा की थी। इसके तहत अब सभी भवनों को दिल्ली नगर निगम से स्वीकृति प्राप्त करनी अनिवार्य होगी। इस कदम से इन इलाकों में रहने वाले 10 लाख परिवारों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। नई नियमों के अनुसार, निवासियों को अब अपनी संपत्ति रजिस्टर्ड कराने के लिए क्षेत्र का लेआउट प्लान जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी और वे केवल एमसीडी द्वारा सूचीबद्ध किसी भी वास्तुकार द्वारा तैयार किया गया भवन योजना ही दे सकते हैं। इसके अनुसार अब डीडीए नहीं, बल्कि राजस्व विभाग स्वामित्व अधिकार के लिए ट्रांसफर डीड जारी करेगा।

होर्मुज पर अमेरिका के साथ चीन, परमाणु हथियार को लेकर भी सख्त

बीजिंग, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में हुई ऐतिहासिक शिखर बैठक में दोनों नेताओं ने वैश्विक स्थिरता और द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने का संकल्प लिया। इस मुलाकात में ताइवान, हॉर्मुज स्ट्रेट, ईरान का परमाणु कार्यक्रम और आर्थिक साझेदारी जैसे अहम मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। साल 2017 के बाद चीन में दोनों नेताओं की यह पहली आमने-सामने की बैठक थी। बैठक ऐसे समय में हुई जब विश्व युद्ध की आशंकाओं, ऊर्जा संकट और आर्थिक अनिश्चितता से जूझ रहा है। जिनपिंग ने ट्रंप का औपचारिक स्वागत करते हुए ताइवान मुद्दे पर सख्त चेतावनी दी। उन्होंने इसे चीन-अमेरिका संबंधों का सबसे संवेदनशील और महत्वपूर्ण मुद्दा बताया। जिनपिंग ने चेतावनी देते हुए कहा कि ताइवान पर कोई भी गलत कदम दोनों देशों के बीच टकराव और युद्ध की स्थिति पैदा कर सकता है। उन्होंने पूछा कि क्या चीन और अमेरिका थ्यूसीडाइड्स ट्रैप से बच सकते हैं? और इसके बजाय बड़े देशों के बीच सहयोग का नया मॉडल बनाने का सुझाव दिया। दोनों नेताओं ने सहमति जताई कि विश्व के तेल व्यापार के लिए बेहद महत्वपूर्ण हॉर्मुज स्ट्रेट हमेशा खुला और सुरक्षित रहना चाहिए। जिनपिंग ने स्पष्ट किया कि चीन इस मार्ग पर किसी भी प्रकार की सैन्य तैनाती या टोल वसूली का विरोध करता है। दोनों पक्ष इस बात पर भी पर जोर दिया। जिनपिंग ने कहा कि चीन और अमेरिका को प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि भागीदार बनना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि दोनों देशों को मिलकर काम करना चाहिए ताकि 2026 दोनों देशों के संबंधों में नया अध्याय साबित हो। दोनों

एकमत हुए कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं कर पाए। वहीं, ट्रंप ने बैठक को 'बेहद सकारात्मक और सफल' बताया। उन्होंने जिनपिंग को अपना दोस्त और महान नेता करार दिया। वाइट हाउस के अनुसार, दोनों नेताओं ने रिश्तों को और मजबूत बनाने, व्यापार सहयोग बढ़ाने, अमेरिकी कंपनियों के लिए चीनी बाजार खोलने और चीन से अमेरिकी कृषि उत्पादों की खरीद बढ़ाने नेता इस बात पर सहमत हुए कि मतभेदों को बातचीत के जरिए सुलझाया जाए और रिश्तों को कभी बिगड़ने नहीं दिया जाए। बता दें कि इस बैठक में एलन मस्क, टिम कुक समेत अमेरिका के कई प्रमुख उद्योगपतियों ने भी हिस्सा लिया। बैठक के बाद आयोजित राजकीय भोज में ट्रंप ने जिनपिंग और उनकी पत्नी पेंग लियुआन को सितंबर में वाइट हाउस आने का निमंत्रण दिया।

दिल्ली के एनडीएमसी क्षेत्रों में ई-वाहनों की पार्किंग पर 50 प्रतिशत की छूट

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के एनडीएमसी के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप पर्यावरण संरक्षण और फ्यूल की बचत के लिए कई बड़े फैसलों की घोषणा की है। अब दिल्ली के 4 आवासीय क्षेत्रों से कर्मचारियों के लिए विशेष शटल बस सेवा शुरू की जाएगी, जिसका विस्तार जल्द ही 14 अन्य क्षेत्रों तक होगा। इलेक्ट्रिक वाहनों की पार्किंग पर 50 फीसदी की छूट दी जाएगी और अगले एक साल तक एनडीएमसी कोई भी नया पेट्रोल या डीजल वाहन नहीं खरीदेगी। हर सोमवार अधिकारी सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करेंगे। एनडीएमसी की ओर से साझा की गई जानकारी के मुताबिक, एनडीएमसी के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने एक बड़ी बैठक ली। इसमें कई जरूरी फैसले लिए गए। बैठक में फैसला लिया गया कि फ्यूल की बचत, ट्रैफिक जाम कम करने और पलूशन नियंत्रण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए कल 15 मई से एनडीएमसी 4 प्रमुख आवासीय क्षेत्रों से कर्मचारियों के लिए शटल बस सेवा शुरू करेगी। बसें सुबह 9:00 बजे निर्धारित स्थानों पर पहुंचेंगी और 9:30 बजे पालिका केंद्र के लिए रवाना होंगी। शाम को बसें 5:30 बजे पालिका केंद्र से चलकर 6:00 बजे आवासीय क्षेत्रों तक पहुंचेंगी। प्रत्येक रूट के लिए नोडल अधिकारी भी नियुक्त किए जाएंगे। एनडीएमसी ने अगले एक वर्ष तक कोई नया पेट्रोल, डीजल या ष्ठद्गह्ल वाहन नहीं खरीदने का निर्णय लिया है। इसके स्थान पर पर्यावरण अनुकूल परिवहन साधनों के इस्तेमाल पर ध्यान दिया जाएगा।

डीजल और ईंधन की कमी से 22 घंटे बिजली की कटौती की जा रही है

ईंधन संकट से अंधेरे में डूबा क्यूबा, सड़कों पर उतरे सैकड़ों प्रदर्शनकारी; कचरा जलाकर किया विरोध

हवाना, एजेंसी। क्यूबा देश पर इन दिनों ऊर्जा संकट के बादल मंडरा रहे है। वहां के ऊर्जा मंत्री विसेंटे डे ला ओ लेवी ने इस बात की पुष्टि की है कि देश में ईंधन पूरी तरह खत्म हो चुका है।

हालात इतने खराब है कि देश में डीजल और ईंधन की कमी के कारण 22 घंटे तक बिजली की कटौती की जा रही है। यह स्थिति अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण बनी है। वहां के लोगों को फिलहाल ब्लैकआउट का सामना करना पड़ रहा है।

वहीं, इस हालात में देश की राजधानी हवाना शहर में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन भड़क उठे हैं। कई प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए हैं और बिगड़ते ऊर्जा संकट से हताश होकर बत्तियां जलाओ के नारे लगा रहें हैं। इस दौरान लोगों ने बर्तन पीटने सहित कूड़े के ढेर में आग लगा दिया।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ऊर्जा मंत्री ने बताया, कच्चा तेल और ईंधन तेल दोनों में से हमारे पास बिल्कुल कुछ भी नहीं बचा है; इस वक्त हमारे पास एकमात्र चीज है। वह है कुओं से निकलने वाली गैस, जिसका उत्पादन बढ़ा दिया गया है। लेवी ने देश की

स्थिति को बेहद तनावपूर्ण बताया। द गार्डियन की रिपोर्ट के अनुसार, ऊर्जा और खान मंत्री ने बताया कि देश ने भले ही पिछले दो सालों में 1,300 मेगावाट सौर ऊर्जा क्षमता को बढ़ाने का काम किया है, फिर भी ईंधन की लगातार कमी के कारण बिजली ग्रिड अस्थिर हो रहा है और उसकी कार्यक्षमता घट रही है। इसमें एक बड़ी समस्या बड़े बैटरी भंडारण प्रणालियों की कमी है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने हवाना पर दबाव और बढ़ा दिया है। उन्होंने वेनेजुएला से होने वाली तेल की खेपों को रोकने और वैश्विक शुल्क लगाने की धमकी देने के बाद, यह कसम खाई है कि क्यूबा को अब और तेल या पैसा नहीं मिलेगा। इस द्वीप के भविष्य को लेकर चल रही वार्ताओं के बीच, ट्रंप ने कहा, उन्हें क्यूबा को अपने अधिकार में लेने की उम्मीद है। यह बयान उन्होंने जनवरी में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सत्ता से बेदखल करने के प्रयास के बाद दिया था।

पाकिस्तान की वो खूबसूरत हसीना जो बनी 'कोकीन क्वीन', कराची की लेडी डॉन पिंकी कौन?

कराची , एजेंसी। पाकिस्तान में अपराध की दुनिया से जुड़े कई नाम समय-समय पर सामने आते रहे हैं। इस बीच 'लेडी डॉन' पिंकी का नाम इन दिनों सबसे अधिक चर्चा में है। पाकिस्तान की कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने हाई-प्रोफाइल ड्रग तस्कर अनमोल उर्फ पिंकी को गिरफ्तार किया है। कराची पुलिस और संघीय जांच एजेंसियों के संयुक्त अभियान में इस महिला को गिरफ्तार किया गया, जिस पर देश के प्रमुख शहरों में कोकीन का विशाल सप्लाई नेटवर्क चलाने का आरोप हैं।

पुलिस के अनुसार, पिंकी विशेष रूप से कुलीन वर्ग और निजी पार्टियों को नशीले पदार्थों की आपूर्ति करती थी। पुलिस ने आधिकारिक बयान में बताया कि पिंकी पूरे कराची में कोकीन और अन्य घातक ड्रग्स की सप्लाई में सक्रिय थी। छापेमारी के दौरान उसके ठिकाने से एक पिस्तौल, लाखों रुपये की कोकीन, रसायन और अन्य नशीले पदार्थ बरामद किए गए। पुलिस का दावा है कि वह देश की सबसे वांछित ड्रग सप्लायर्स में शामिल थी और लंबे समय से पुलिस की पकड़ से बचती रही थी।

किशोरावस्था से शुरू हुआ अपराध की दुनिया में सफर: पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिंकी का जन्म 1995 में कराची के बलूच पारा इलाके में हुआ था। मात्र 14 साल की उम्र में वह घर छोड़कर चली गई थी। शुरू में मॉडलिंग का सपना देखने वाली पिंकी बाद में डांस पार्टियों और हाई-सोसायटी के जरिए प्रभावशाली लोगों से जुड़ी। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि उसने एक अंतरराष्ट्रीय वकील से शादी की, जिसके कथित रूप से वैश्विक कोकीन कारोबार से संबंध थे। बाद में उसने एक पुलिस अधिकारी से भी शादी की। अपने भाइयों नासिर और शौकत की मदद से पिंकी ने ड्रग अमीरों तक पहुंचा नेटवर्क जांचकर्ताओं के

कारोबार का विस्तार किया। उसने ऑनलाइन रिसर्च कर घरेलू स्तर पर उच्च गुणवत्ता वाली कोकीन तैयार करना शुरू कर दिया। अमीरों तक पहुंचा नेटवर्क जांचकर्ताओं के अनुसार, पिंकी का नेटवर्क कराची, लाहौर और इस्लामाबाद तक फैला हुआ था। यह मुख्य रूप से ष्ठ्ठ और क्लिफ्टन जैसे महंगे इलाकों को लक्षित करता था। उसने अपना प्रोडक्ट आकर्षक नाम देकर बेचा 'क्वीन मैडम पिंकी- नाम ही काफी है, आनंद लें'। महिला कूरियर, ट्रेन, बाइक और व्हाट्सएप के जरिए डिलीवरी का जाल बिछाया गया था। बताया जा रहा है कि दो किस्म की कोकीन बेची जाती थी। पहला 'व्हाइट कोक' 8850 रुपये प्रति ग्राम और दूसरा 'गोल्डन कैटेगरी' 13728 रुपये प्रति ग्राम। पूछताछ में पिंकी ने दावा किया कि पाकिस्तान में उससे बेहतर कोकीन कोई नहीं बनाता है।इस गिरफ्तारी ने ड्रग माफिया, पुलिस भ्रष्टाचार और प्रभावशाली लोगों के संरक्षण के मुद्दों को फिर से उठा दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, पिंकी को करीब पांच साल पहले पंजाब में गिरफ्तार किया गया था, लेकिन 2.4 करोड़ रुपये की रिश्वत देकर वह छूट गई थी। उस पर फिंगरप्रिंट मिटाने के लिए तेजाब इस्तेमाल करने का भी आरोप है।

वहीं, गिरफ्तारी के बाद पिंकी की अदालत पेशी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। फुटेज में उसे बिना हथकड़ी के, सनग्लासेस लगाए और पानी की बोतल लेकर चलते दिखाया गया, जबकि जांच अधिकारी उसके पीछे-पीछे चल रहा था। इसे ङ्कढ्ढक्क ट्रीटमेंट बताते हुए सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं आई हैं।

वीडियो वायरल होने के बाद कराची के एडिशनल ढ्ढत्र आजाद खान ने इस मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं। सिंध के गृह मंत्री जियाउल हसन लांजर ने कहा कि आरोपी को प्रोटोकॉल कैसे दिया गया? सभी जिम्मेदार अधिकारियों को स्पष्टीकरण देना होगा। लापरवाही बरतने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी।

संपादकीय

पश्चिम एशिया संकट के बीच सोने पर सख्ती

पश्चिम एशिया में संघर्ष से उपजे संकट का फिलहाल कोई स्थायी हल नजर नहीं आने के मद्देनजर भारत में इसके प्रभाव को कम करने के लिए वैकल्पिक उपायों पर अमल शुरू हो गया है। इसकी शुरुआत प्रधानमंत्री की ओर से हाल में जनता से किए गए आग्रह के बाद सोने-चांदी पर आयात शुल्क छह फीसद से बढ़ाकर पंद्रह फीसद कर देने की घोषणा से की गई। इसके बाद इन कीमती धातुओं के दाम में बुधवार को भारी उछाल आया। सरकार का कहना है कि संकट के समय गैर-जरूरी वस्तुओं के आयात से विदेशी मुद्रा भंडार पर बढ़ रहे दबाव को रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है।

दरअसल, भारत बहुमूल्य धातुओं का विश्व का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है। कच्चे तेल के बाद सोने का देश के आयात में दूसरा बड़ा हिस्सा है। इसकी बढ़ती मांग और आयात से विदेशी मुद्रा का इस्तेमाल भी बढ़ा है, जिससे रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर तक पहुंच गया है। हालांकि, आभूषण कारोबारी सरकार के इस कदम से निराश हैं, लेकिन यह भी सच है कि समय रहते समुचित उपाय नहीं किए गए, तो आने वाले दिनों में जो जटिल परिस्थितियां पैदा होंगी, उनका सबसे ज्यादा असर आम आदमी पर ही पड़ेगा।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर देश की जनता से विदेशी मुद्रा बचाने के लिए ईंधन के विवेकपूर्ण उपयोग, भोजन पकाने के तेल के इस्तेमाल में कमी लाने और सोने की खरीद एवं विदेश यात्रा को स्थगित करने जैसे उपाय अपनाने का आह्वान किया था। संदेश स्पष्ट था कि देश की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ रहा है, जिसे कम करने के लिए वैकल्पिक उपायों की ओर बढ़ना होगा।

इसमें दोराय नहीं है कि किसी भी बड़े संकट से निपटने के लिए आम नागरिकों की भी अहम भूमिका होती है। जन भागीदारी के बिना न तो कोई योजना सफल हो पाती है और न ही संकट के दौरान आवश्यक उपायों का व्यापक स्तर पर सार्थक परिणाम सामने आता है। सोने-चांदी की खरीद नागरिकों की मूलभूत जरूरतों से परे है और इसे कुछ समय के लिए सीमित कर देने से अगर विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव कुछ कम हो जाए, तो यह एक सार्थक पहल साबित हो सकती है।

सरकार के इस कदम का एक पहलू यह भी है कि इससे सोने-चांदी की कालाबाजारी और तस्करी बढ़ने की आशंका है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर निगरानी और सतर्कता बढ़ाने की जरूरत है। जमीनी और तटीय घुसपैठ मार्गों, संगठित तंत्र और वितरण केंद्रों के रूप में काम करने वाले कारोबारियों पर नियमित नजर रखनी होगी। इससे संकट के समय गैर-जरूरी आयात में संतुलित कमी के जरिए समग्र आर्थिक स्थिरता और बाह्य क्षेत्र के विवेकपूर्ण प्रबंधन में महत्त्वपूर्ण मदद मिल सकती है।

इसके अलावा भारत के विदेशी मुद्रा संसाधनों के तहत तेल, उर्वरक, औद्योगिक कच्चे माल और रक्षा जरूरतों जैसे आवश्यक आयात को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। प्रधानमंत्री ने लोगों से ईंधन के गैर-जरूरी इस्तेमाल को कम करने का आग्रह भी किया था और बुधवार को उन्होंने खुद अपने काफिले में शामिल वाहनों की संख्या कम कर दी। इसके बाद कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी इसी तरह का कदम उठाया है। मगर इस बात का ध्यान रखने की जरूरत है कि सरकारी स्तर पर यह मुहिम सिर्फ घोषणाओं तक सीमित न रहे। जनता भी तभी इन उपायों को व्यापक रूप से आत्मसात करेगी, जब जनप्रतिनिधि भी इसका हिस्सा बनेंगे।

दहेज की क्रूरता ने समाज और कानून को फिर कठघरे में खड़ा किया

समाज में दहेज जैसी कुप्रथा की जड़ें इतनी गहरी हैं कि शिक्षा और जागरूकता के तमाम प्रयास इसके आगे बौने साबित हो रहे हैं। इससे न केवल महिलाओं को शारीरिक एवं मानसिक उत्पीड़न झेलना पड़ता है, बल्कि कई बार उन्हें अपनी जान तक गंवानी पड़ती है। हाल में दिल्ली के नबी करीम इलाके में एक नवविवाहिता की दहेज के लिए की गई हत्या की घटना ने एक बार फिर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। खबरों के मुताबिक, ससुराल वालों ने शादी के बाद से इस महिला को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया था। अभी शादी को एक सप्ताह भी नहीं हुआ था कि उसकी हत्या कर शव को पलंग के बॉक्स में छिपा दिया गया। पुलिस घटना के बाद से फरार आरोपी पति को तलाशने में जुटी है। सवाल है कि दहेज के खिलाफ सख्त कानून होने के बावजूद इस तरह की घटनाओं पर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है? क्या दहेज के लोभियों पर शिकंजा कसने में सुरक्षा एजेंसियों के स्तर पर लापरवाही बरती जा रही है?

यह अफसोसनाक है कि समाज में अल्पशिक्षित या अनपढ़ महिलाएं ही नहीं, बल्कि शिक्षित और कामकाजी स्त्रियों को भी दहेज उत्पीड़न का दंश झेलना पड़ता है। विचित्र बात है कि शादी में स्वेच्छा से दिए जाने वाले उपहार को कुछ लोग आज भी अपना हक मानते हैं। शादी से पहले या बाद में दुल्हन पक्ष पर दहेज के लिए दबाव बनाया जाता है। महंगे उपहार न देने पर विवाहिता के साथ दुर्व्यवहार और मारपीट आम बात हो गई है। नबी करीम इलाके की घटना ने इस सामाजिक कुरीति के विद्रूप चेहरे को एक बार फिर सामने लाया है। इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि कई महिलाएं तो भय और सम्मान की खातिर पुलिस में शिकायत तक दर्ज नहीं करा पाती हैं। महिलाओं में अपने अधिकारों को लेकर जानकारी का अभाव भी इसका एक बड़ा कारण है। ऐसे में सरकार को चाहिए कि महिलाओं में जागरूकता लाने के लिए व्यापक स्तर पर कदम उठाए जाएं। साथ ही महिलाओं के खिलाफ अपराधों को लेकर पुलिस और अन्य जांच एजेंसियों को भी संवेदनशील बनाना होगा और उनकी जवाबदेही तय करनी होगी।

आज का कार्टून

हिमालय की हिमनद झीलों में बढ़ता खतरा

प्रमोद भार्गव

जलवायु परिवर्तन का असर पिछले कुछ वर्षों में उच्च हिमालयी क्षेत्रों पर साफ दिखाई देने लगा है। जिन हिमनद झीलों के आसपास मनुष्यों की आवाजाही सीमित है, वहां भी अब जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम का मिजाज खतरे की घंटी बजाने लगा है। कुछ हिमनद झीलों का आकार तेजी से सिकुड़ रहा है, तो कुछ का आकार आश्चर्यजनक ढंग से बढ़ रहा है। ऐसी 130 झीलें चिह्नित की गई हैं, जो क्षमता से अधिक आकार में बढ़ने की स्थिति में विस्फोटक रूप ले सकती हैं। अगर ऐसा होता है, तो निचले क्षेत्रों की बस्तियों में तबाही मच सकती है। हिमनद झीलों के अनियंत्रित ढंग से बढ़ते आकार की सच्चाई इसरो के उपग्रहों से ली गई तस्वीरों के अध्ययन से सामने आई है। इससे वैज्ञानिकों की चिंता बढ़ गई है।

हिंदुकुश क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन पर काम कर रहे वैज्ञानिकों ने इससे संबंधित रिपोर्ट को गंभीरता से लेने की जरूरत बताई है। वर्ष 1984 से 2023 तक किए गए उपग्रह अध्ययन में कुल 2,431 बड़ी झीलें चिह्नित की गई हैं। इनका आकार दस हेक्टेयर से अधिक है। इनमें से 676 झीलों का आकार 27 फीसद से अधिक बढ़ गया है। इनमें से 130 झीलें सबसे अधिक संवेदनशील हैं। हिमाचल प्रदेश की गेफांग घाट झील का आकार सर्वाधिक बढ़ा है। इसका कुल क्षेत्रफल 101.3 हेक्टेयर हो गया है। हिमालयी क्षेत्र में दस लाख लोग हिमनद झीलों के दस किलोमीटर के दायरे में रहते हैं।

पिछले साल पांच अगस्त 2025 को उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के धराली गांव के खीर क्षेत्र में बादल फटने से बाढ़ और मलबे में यह पूरा क्षेत्र डूब गया था। तेज बारिश ने गंगोत्री क्षेत्र में आने वाली हिमनद झीलों को नाले में बदल दिया था। इस क्षेत्र में विभिन्न अध्ययनों के अनुसार, हिमालय में छोटी-बड़ी सभी तरह की झीलों की संख्या आठ हजार से भी अधिक है। 1990 के बाद से यहां करीब एक हजार हिमनद अस्तित्व में आ गए हैं।

जलवायु परिवर्तन के कारण बड़ी मात्रा में बर्फ गिरती है, तो हिमनद झीलों का आकार तो बढ़ता ही है, इनके फटने का खतरा भी बढ़ जाता है। पोट्सडैम जलवायु प्रभाव शोध संस्थान के एक वैज्ञानिक ने धरती के बढ़ते तापमान की वजह से भारत में बारिश पर होने वाले प्रभावों का अध्ययन किया है। उनके मुताबिक, जितनी बार धरती का पारा वैश्विक ताप के कारण एक डिग्री सेल्सियस ऊपर चढ़ेगा, उतनी ही बार भारत में मानसूनी बारिश पांच फीसद अधिक होगी। मानसूनी बारिश का वास्तविक अंदाजा लगाना भी कठिन हो जाएगा।

अनुमान है कि इस सदी के अंत तक साल-दर-साल तापमान बढ़ेगा। नतीजतन भारत में बारिश तबाही मचाएगी। ज्यादा बाढ़ आने से लाखों एकड़ में फैली फसलें खराब होंगी। संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2020 में किए गए एक अध्ययन से भी साफ हुआ था कि जलवायु परिवर्तन और पानी का अटूट संबंध है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, दक्षिण एशिया में वर्ष 2030 तक बाढ़ की घटनाएं बढ़ेंगी। साफ है, वैश्विक तापमान के बढ़ते खतरे ने आम आदमी के दरवाजे पर दस्तक दे दी है। दुनिया में कहीं भी अचानक बारिश, बाढ़, बर्फबारी, बादल फटने या फिर सूखे के कहर का सामना करना पड़ सकता है। आंधी, तूफान और फिर अचानक ही ज्वालामुखियों के फटने की हैरतअंगेज घटनाएं भी यही संकेत दे रही हैं कि खतरे आसपास ही कहीं मंडरा रहे हैं। समुद्र और अंटार्कटिका जैसे बर्फीले क्षेत्र भी इस बदलाव के संकट से दो-चार हो रहे हैं।

दरअसल, वायुमंडल में अतिरिक्त कार्बन डाइऑक्साइड महासागरों में भी अवशोषित होकर गहरे समुद्र में बैठ जाती है। यह वर्षों तक जमा रहती है। पिछली दो शताब्दियों में 525 अरब टन कचरा महासागरों में चला गया है। इसके अलावा मानवजनित गतिविधियों से उत्सर्जित कार्बन डाइऑक्साइड का पचास फीसद भाग भी समुद्र की गहराइयों में समा गया है। इस अतिरिक्त कार्बन डाइऑक्साइड के जमा होने के कारण अंटार्कटिका के चारों ओर फैले दक्षिण महासागर में इस कार्बन डाइऑक्साइड को सोखने की क्षमता निरंतर कम हो रही है। यह स्थिति खतरनाक है। ब्रिटिश अंटार्कटिक सर्वेक्षण के मुताबिक, वैज्ञानिकों का कहना है कि दक्षिण महासागर कार्बन डाइऑक्साइड से लबालब हो गया है। नतीजतन अब समुद्र इसे अवशोषित करने के बजाय वायुमंडल में ही उगलने लगा है।

हिमालय पर कई वर्षों से अध्ययन कर रहे 'वाडिया भू-विज्ञान संस्थान' की रिपोर्ट के अनुसार, इस क्षेत्र के हिमखंडों में काले कार्बन की मात्रा लगातार बढ़ रही है। यह मात्रा सामान्य से ढाई गुना बढ़कर 1899 नैनोग्राम हो गई है। दरअसल, काले कार्बन से तापमान में वृद्धि होती है। यह सूर्य के प्रकाश को अवशोषित करने में अत्यंत प्रभावी है। इससे हिमालय और आर्कटिक जैसे हिमखंडों में बर्फ पिघलने लगती है। यदि किसी साल बरसात में औसत से कम बारिश होती है, तो बर्फ पिघलने की मात्रा और अधिक बढ़ जाती है। वायु प्रदूषण से भी हिमखंड दूषित कार्बन की चपेट में आए हैं। पिछले 37 वर्षों में हिमाच्छादित क्षेत्रफल में 26 वर्ग किलोमीटर की कमी आई है। इस क्षेत्र में पहले स्थायी 'स्नोलाइन' 5700 मीटर थी, जो अब 5200 मीटर के बीच घट-बढ़ रही है। तापमान बढ़ने का सिलसिला बना रहा और यदि बर्फ इसी तरह पिघलती रही, तो जीव-जंतुओं और वनस्पतियों के संकट में आने का सिलसिला भी बना रहेगा।

बढ़ते तापमान से हिमखंडों के पिघलने की जो शुरुआत होगी, उसका खतरनाक मंजर बांग्लादेश में देखने को मिल सकता है। यहां तबाही इसलिए जबरदस्त होगी, क्योंकि यह देश तीन नदियों के डेल्टा पर आबाद है। यहां के ज्यादातर भूखंड समुद्र तल से महज 20 फीट की ऊंचाई पर स्थित हैं। इसलिए बर्फ की शिलाओं के पिघलने से समुद्र का जलस्तर ऊपर उठेगा, तो सबसे ज्यादा जलमग्न भूमि इसी देश की होगी। यहां आबादी का घनत्व सबसे ज्यादा है, इसलिए मानव त्रासदी भी इस देश को ही सबसे ज्यादा झेलनी पड़ सकती है। बांग्लादेश अपनी यह चिंता अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कई बार जता चुका है। एक आशंका यह भी है कि यदि वैश्विक तापमान थोड़ा भी बढ़ता है और हिमखंड पिघलते रहते हैं, तो वर्ष 2050 तक बांग्लादेश में धान की पैदावार दस फीसद और गेहूं की 30 फीसद घट सकती है।

बढ़ते तापमान को लेकर एक नई आशंका यह भी जताई जा रही है कि इससे दुनिया में कीटों और जीवाणुओं की संख्या अत्यधिक मात्रा में बढ़ेगी। कीटों पर हालांकि अभी तक व्यापक स्तर पर शोध नहीं हुए हैं, पर जितने भी हुए हैं, उस आधार पर धरती पर सबसे अधिक आबादी इन्हीं की है। जिस तेजी से वैश्विक ताप बढ़ रहा है, उसमें निश्चित रूप से कीटों की संख्या और तेजी से बढ़ेगी।

वैज्ञानिकों का दावा है कि यदि वैश्विक ताप बढ़ता है, तो उसी अनुपात में इनकी संख्या में बढ़ोतरी तय है। क्योंकि गर्म वातावरण इनके पनपने में अनुकूल रहता है। इसलिए यदि तापमान बढ़ने का सिलसिला निरंतर बना रहता है, तो यह हिमालय के पारिस्थितिकी तंत्र को तो खंडित करेगा ही, मानव समुदायों के लिए भी अत्यंत हानिकारक साबित होगा।

बढ़ते तापमान से हिमखंडों के पिघलने की जो शुरुआत होगी, उसका खतरनाक मंजर बांग्लादेश में देखने को मिल सकता है। यहां तबाही इसलिए जबरदस्त होगी, क्योंकि यह देश तीन नदियों के डेल्टा पर आबाद है। यहां के ज्यादातर भूखंड समुद्र तल से महज 20 फीट की ऊंचाई पर स्थित हैं। इसलिए बर्फ की शिलाओं के पिघलने से समुद्र का जलस्तर ऊपर उठेगा, तो सबसे ज्यादा जलमग्न भूमि इसी देश की होगी। यहां आबादी का घनत्व सबसे ज्यादा है, इसलिए मानव त्रासदी भी इस देश को ही सबसे ज्यादा झेलनी पड़ सकती है। बांग्लादेश अपनी यह चिंता अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कई बार जता चुका है। एक आशंका यह भी है कि यदि वैश्विक तापमान थोड़ा भी बढ़ता है और हिमखंड पिघलते रहते हैं, तो वर्ष 2050 तक बांग्लादेश में धान की पैदावार दस फीसद और गेहूं की 30 फीसद घट सकती है। बढ़ते तापमान को लेकर एक नई आशंका यह भी जताई जा रही है कि इससे दुनिया में कीटों और जीवाणुओं की संख्या अत्यधिक मात्रा में बढ़ेगी।

जब शब्द साथ छोड़ देते हैं, तब स्पर्श बोलता है...

महेश परिमल

इंसान को जिंदा होने, जुड़ाव और अपनेपन की अनुभूति कराने वाला एक गहरा शारीरिक और भावनात्मक अनुभव है स्पर्श। यह न केवल शारीरिक संवेदना है, बल्कि प्यार, सुकून और आत्मीयता का संकेत देने वाला आभास भी है, जो किसी के दूर होने पर भी यादों में महसूस किया जा सकता है। यह एक रूहानी अनुभव भी हो सकता है। स्पर्श को कभी शब्दों की आवश्यकता नहीं होती। वह अपने आप में ही एक पूरा शास्त्र है। अब बच्चों को भी बताया जाता है कि किस तरह के स्पर्श को किस तरह से लिया जाए। वे भी अब 'अच्छे स्पर्श' और 'बुरे स्पर्श' को समझने लगे हैं। इससे हटकर कई बातें ऐसी होती हैं, जिन्हें कहा नहीं जा सकता, बस एक स्पर्श ही काफी होता है पूरी बात बताने के लिए। स्पर्श मात्र से शरीर में ऊर्जा का संचार होता है। यह भावनाओं की अतल गहराइयों से अनुभव के मोती निकाल लाता है। यह दिल से दिल की बात करता है। इस स्पर्श को समझना भी मुश्किल है, पर इतना भी नहीं कि समझा ही न जा सके। हम सबको याद होगा कि किस तरह से असफल होने पर पिता ने हमारे सिर पर हाथ रखते हुए कहा था कि निराश होने की आवश्यकता नहीं है। जीवन में इस तरह की परिस्थितियां आती रहती हैं। इसका मतलब यह नहीं कि हार मान ली जाए। इसे पड़ाव मानो और कुछ आराम करने के बाद फिर निकल पड़ो। पिता के शब्द आज भले ही याद न हों, पर उनका वह स्पर्श आज भी सहसा याद आ जाता है।

आज हम भले उन हालात से दस कदम आगे हों, पर वह स्पर्श हमें सदैव यही याद दिलाता है कि हम भी कभी बेबस थे। उसी स्पर्श ने हमें संभाला। ऐसे कई पल होंगे, जो हमारे जीवन में आए होंगे। माता-पिता, भाई-बहन, दोस्त-साथी के स्पर्श पर उस समय हमने भले ही ध्यान नहीं दिया हो, पर आज वे सभी स्पर्श हमारी यादों में हैं। कई बार स्पर्श का जवाब स्पर्श ही होता है। हमने भी कई दफा अपनों को दिलासा देने के लिए उनके सिर पर हाथ रखा होगा। उनके कंधे थपथपाए होंगे। सामने वाले ने ऊर्जामय होकर हमसे विदाई ली होगी। स्पर्श से भावनाओं का संचार होता है।

एक अनजाना या कोमल स्पर्श अंतर्मन के तारों को झंकृत कर देता है। वहां खुशियों के भाव जगा देता है। अपनी कोमल भावनाओं को व्यक्त करने का शक्तिशाली माध्यम है स्पर्श, जो बिना शब्दों के बहुत कुछ कह जाता है। स्पर्श केवल शरीर तक सीमित नहीं है, अगर गहराई से महसूस करें, तो एक स्पर्श रूह में उतर जाता है। रण के मैदान में जाने वाले किसी सैनिक को उसकी मां या पिता जब कंधे पर अपना हाथ रखते हुए कहते हैं कि आज देश को तुम्हारी जरूरत है, जाओ और दुनिया को बता दो कि हममें भी दम है, तो यही उसका सहारा बन जाता है और वह पूरी शक्ति से दुश्मन पर हावी हो जाता है। रिश्तों की गहराई को बढ़ाने में यही स्पर्श बहुत अहम भूमिका निभाते हैं।

बरसों से एक-दूसरे को फूटी आंख न सुहाने वाले भाई जब आपस में मिलते हैं, तो एक स्पर्श उनके दुराग्रह की दीवारों को क्षण भर में तोड़ देता है। मन की भड़ास आंसू बनकर बाहर आ जाती है। दोनों के दिलों में प्यार का सोता बह निकलता है। दोनों को आश्चर्य होता है कि अभी तक प्यार का यह सोता कहां छिपा था! स्पर्श एक अनुभूति है, जिसे शब्दों की आवश्यकता नहीं होती। स्पर्श ही है, जो दुराग्रह की दीवार को पल भर में गिरा देता है। यह संघर्षों को झेलने की शक्ति देता है। इसके सहारे इंसान पूरी जिंदगी काट लेता है। स्पर्श से हौसला-अफजाई होती है। यह भावनाओं के समुंदर को बहा ले जाता है। यह रुलाता है, हंसाता है और कभी-कभी ऐसी दुनिया में ले जाता है, जहां कोई पराया नहीं, सभी अपने होते हैं, अपनापन होता है।

इसके अलावा, स्पर्श व्यक्ति को संघर्षों से लड़ने की शक्ति भी देता है। एक सैनिक जब युद्ध के मैदान में जाता है, तो उसके परिजनों का स्नेहिल स्पर्श उसके लिए प्रेरणा का स्रोत बनता है। वही स्पर्श उसे साहस और आत्मविश्वास प्रदान करता है, जिससे वह कठिन परिस्थितियों का सामना कर पाता है। स्पर्श का प्रभाव इतना व्यापक है कि यह मनुष्य के संपूर्ण व्यक्तित्व को प्रभावित करता है। स्पर्श के माध्यम से व्यक्ति अपने भीतर और दूसरों के भीतर छिपी भावनाओं को समझ पाता है।

यह कहा जा सकता है कि स्पर्श एक ऐसी अनुभूति है, जो शब्दों और संकेतों से परे है। यह मनुष्य के जीवन का अभिन्न हिस्सा है, जो उसे भावनात्मक रूप से जोड़ता है और जीवन को सही मायने में अर्थपूर्ण बनाता है। आज के इस व्यस्त और यांत्रिक जीवन में, जहां लोग एक-दूसरे से दूर होते जा रहे हैं, वहां स्नेहपूर्ण स्पर्श की आवश्यकता और भी बढ़ जाती है। अपने जीवन में स्पर्श के महत्त्व को समझने तथा अपने स्नेहिल स्पर्श से दूसरों के जीवन में खुशी, उत्साह, साहस, करुणा और अपनापन भरने की जरूरत है। एक छोटा-सा स्पर्श किसी के जीवन में बड़ा परिवर्तन ला सकता है। यही स्पर्श मानवता का सबसे सुंदर और सशक्त माध्यम है।

बरसों से एक-दूसरे को फूटी आंख न सुहाने वाले भाई जब आपस में मिलते हैं, तो एक स्पर्श उनके दुराग्रह की दीवारों को क्षण भर में तोड़ देता है। मन की भड़ास आंसू बनकर बाहर आ जाती है। दोनों के दिलों में प्यार का सोता बह निकलता है। दोनों को आश्चर्य होता है कि अभी तक प्यार का यह सोता कहां छिपा था! स्पर्श एक अनुभूति है, जिसे शब्दों की आवश्यकता नहीं होती। स्पर्श ही है, जो दुराग्रह की दीवार को पल भर में गिरा देता है। यह संघर्षों को झेलने की शक्ति देता है। इसके सहारे इंसान पूरी जिंदगी काट लेता है। स्पर्श से हौसला-अफजाई होती है। यह भावनाओं के समुंदर को बहा ले जाता है।

आईपीएल का गणित

मुंबई ने पंजाब का खेल बिगाड़ा

● प्लेऑफ के लिए दोनों मैच जीतने होंगे; चेन्नई के लिए हर मुकाबला करो या मरो जैसा

धर्मशाला (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में 58 मैच पूरे हो चुके हैं। गुरुवार को मुंबई इंडियंस ने पंजाब किंग्स को हराकर प्लेऑफ की रेस रोमांचक बना दी। हार के बाद पंजाब चौथे स्थान पर है। टीम के 12 मैचों में 13 पॉइंट्स हैं और प्लेऑफ में पहुंचने के लिए उसे बचे दोनों मैच जीतने होंगे। दूसरी ओर मुंबई पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है, लेकिन उसने पंजाब का समीकरण बिगाड़ दिया। मुंबई के 12 मैचों में 8 पॉइंट्स हैं और टीम नौवें स्थान पर है। इकाना स्टेडियम में आज चेन्नई सुपर किंग्स के लिए जीत जरूरी है। टीम का सामना टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी लखनऊ से होगा।

पंजाब लगातार 5वां मैच हारी

पंजाब किंग्स लगातार पांचवीं हार के बाद मुश्किल में पड़ गई है। टीम ने सीजन की शुरुआत 6 जीत से की थी। प्लेऑफ की उम्मीद बनाए रखने के लिए उसे अब दोनों मुकाबले जीतने होंगे। पंजाब के अगले मैच बेंगलुरु और लखनऊ से हैं। मुंबई इंडियंस ने सीजन की चौथी जीत दर्ज की। टीम के अगले मुकाबले कोलकाता और राजस्थान से हैं।

● **चेन्नई के लिए हर मैच अहम-** चेन्नई सुपर किंग्स आज लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ उतरेगी। टीम लगातार 3 मैच जीतकर पांचवें स्थान पर पहुंच चुकी है। चेन्नई के 11 मैचों में 12 पॉइंट्स हैं। प्लेऑफ की उम्मीद बनाए रखने के लिए सीएसके को अपने तीनों मैच जीतने होंगे। टीम के मुकाबले लखनऊ, हैदराबाद और गुजरात से हैं। अगला मैच हारने पर उसकी राह मुश्किल हो जाएगी।

● **हैदराबाद तीसरे स्थान पर पहुंची-** पंजाब की हार का फायदा सनराइजर्स हैदराबाद को मिला है। टीम 14 पॉइंट्स के साथ तीसरे स्थान पर है। उसका नेट रनरेट +0.331 है। हैदराबाद को अब चेन्नई और बेंगलुरु से खेलना है। प्लेऑफ में जगह लगभग पक्की करने के लिए टीम को कम से कम एक जीत चाहिए।

● **बेंगलुरु-गुजरात मजबूत स्थिति में-** रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटंस 16-16 पॉइंट्स के साथ पहले और दूसरे स्थान पर हैं। दोनों टीमों का प्लेऑफ खेलना लगभग तय माना जा रहा है। टीमों को अब एक-एक जीत की जरूरत है। आरसीबी का नेट रनरेट (+1.053) लीग में सबसे बेहतर है। बेंगलुरु के मुकाबले पंजाब और हैदराबाद से हैं, जबकि गुजरात को कोलकाता और चेन्नई से खेलना है।

● **राजस्थान अब भी रेस में-** राजस्थान रॉयल्स 12 पॉइंट्स के साथ प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है। हालांकि टीम पिछले 7 में से 5 मुकाबले हार चुकी है। राजस्थान को अब दिल्ली, लखनऊ और मुंबई से खेलना है। टॉप-4 में पहुंचने के लिए उसे तीनों मैच जीतने होंगे।

पंजाब लगातार 5वां मैच हारी, मुंबई 6 विकेट से जीती

तिलक ने नाबाद 75 रन

मुंबई इंडियंस ने रोमांचक मुकाबले में पंजाब किंग्स को 6 विकेट से हरा दिया। आखिरी ओवर में टीम को 15 रन चाहिए थे, जिसे उसने 1 गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया। जीत के हीरो तिलक वर्मा रहे, जिन्होंने 33 गेंदों में नाबाद 75 रन बनाए। पंजाब की यह लगातार 5वीं हार रही। गुरुवार को धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में पंजाब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 200 रन बनाए। जवाब में मुंबई ने 19.5 ओवर में 4 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया।

फुटबॉल वर्ल्ड कप के लिए फ्रांस की टीम घोषित

एमबाप्पे कप्तानी करेंगे, फॉरवर्ड लाइन में डेम्बेले और डौए जैसे नाम

पेरिस(एजेंसी)। साल 2022 की फाइनलिस्ट फ्रांस ने 11 जून से शुरू हो रहे फुटबॉल वर्ल्ड कप के लिए 26 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। पिछले फाइनल में 3 गोल दागने वाले किलियन एम्बाप्पे को इस टीम की कप्तानी सौंपी गई है।

कोच डिडिएर डेसचैम्प्स ने दमदार फॉरवर्ड लाइन तैयार किया है। इसमें एमबाप्पे के अलावा, बैलोन डीओर विजेता ओस्मान डेम्बेले और युवा स्टार डेसिरे डौए जैसे

नाम है। 2018 की चैंपियन और 2022 की उपविजेता फ्रांस इस बार तीसरा वर्ल्ड कप जीतने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। 2022 में फाइनल हराने के बाद एम्बाप्पे निराश होकर मैदान पर बैठ गए। फ्रांस के प्रेसिडेंट इमैनुएल मैक्रों उन्हें समझाने पहुंचे थे।

फारवर्ड लाइन में अनुभव और युवाओं का मिश्रण फ्रांस का फॉरवर्ड लाइनअप इस समय दुनिया में सबसे मजबूत नजर आ रहा है। टीम में सुपरस्टार किलियन एमबाप्पे के साथ बैलोन डी ओर विजेता ओस्मान डेम्बेले, उभरते हुए सितारे डेसिरे डौए, माइकल ओलिसे, रेयान चेर्की, ब्रैडली बारकोला और मैग्नेस अक्लिओचे शामिल हैं। यह आक्रमण पंक्ति किसी भी विरोधी रक्षापंक्ति को ध्वस्त करने का माद्दा रखती है। रियल मैड्रिड के स्टार मिडफील्डर एडुआर्डो कामाविंगा का नाम सूची से गायब होना सबसे बड़ा सरप्राइज है।

रिसर को घरेलू प्रदर्शन का इनाम

घरेलू लीग (लेंस) के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले युवा गोलकीपर रॉबिन रिसर को पहली बार विश्व कप टीम में शामिल किया गया है। रिसर ने इस सप्ताह की शुरुआत में ही सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का पुरस्कार जीता था। उन्हें मुख्य गोलकीपर माइक मैगनन और ब्राइस सांबा के बाद तीसरे गोलकीपर के विकल्प के रूप में शामिल किया गया है। टीम में चुने जाने पर रिसर ने भावुक होकर कहा, 'यह मेरा एक सपना था, यह अविश्वसनीय है और मेरे पास शब्द नहीं हैं।'

आईपीएल की व्यूअरशिप का रिकॉर्ड टूटा

● टीवी की व्यूअरशिप 50 करोड़ के करीब

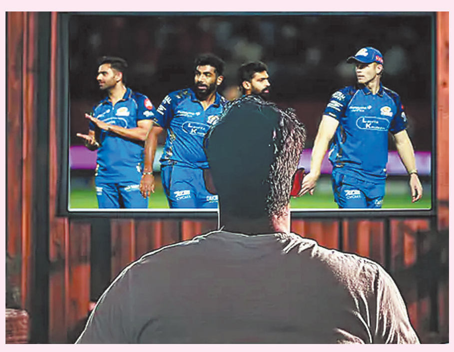

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल 2026 का डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आईपीएल का वॉच-टाइम 7 प्रतिशत बढ़ा है। जबकि, टीवी पर व्यूअरशिप 500 मिलियन (50 करोड़) के करीब पहुंच गई है। भारतीय लीग के ब्रॉडकास्टर जियोस्टार ने शुक्रवार को टीवी के 51 और डिजिटल के 57 मैचों के आंकड़े जारी किए। इनमें आईपीएल की डिजिटल ओवरऑल रीच में 15त्न की ग्रोथ दर्ज की गई है। आईपीएल का 57वां मैच कोलकाता-बेंगलुरु के बीच 13 मैच को रायपुर में खेला गया। इस मैच में कोहली ने शतक लगाया।

कनेक्टेड डिवाइसेज पर 25 प्रतिशत व्यूअर्स बढ़े- स्मार्ट टीवी और कनेक्टेड डिवाइसेज (इंटरनेट से जुड़े उपकरण) की रीच में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और 'वाच टाइम' (देखने का समय) 20 प्रतिशत प्रतिशत बढ़ गया है। इस बार रीजनल लैंग्वेज में मैच देखने का ट्रेंड तेजी से बढ़ा है। रीजनल लैंग्वेज वॉच-टाइम में 42 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

मुंबई के कोच पोलार्ड की 15 प्रतिशत मैच फीस काटी

● एक डिमेरिट पॉइंट भी दिया गया, फोर्थ अंपायर को अपशब्द कहे थे

धर्मशाला (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस के बैटिंग कोच कीरोन पोलार्ड को आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के उल्लंघन का दोषी पाया गया। मैच रेफरी ने उन पर मैच फीस का 15त्न जुर्माना लगाया और एक डिमेरिट पॉइंट भी जोड़ा। 39 साल के दिग्गज बल्लेबाज ने गुरुवार को धर्मशाला में पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस के मैच में फोर्थ अंपायर से बहस की। उन पर अभद्र भाषा के इस्तेमाल करने के आरोप लगे थे। इस मैच को मुंबई ने 6 विकेट से जीता। तिलक वर्मा ने मुंबई की ओर से 33 गेंदों में नाबाद 75 रन की अर्धशतकीय पारी खेली।

फोर्थ अंपायर से मैच के दौरान बहस की- मुंबई इंडियंस की पारी के 19वें ओवर में चौथे अंपायर से बहस के दौरान पोलार्ड ने अभद्र शब्दों का इस्तेमाल किया। मैच रेफरी पंकज धरमानी ने इसे आईपीएल आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन माना। पोलार्ड पर कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.3 के तहत आरोप लगाए गए, जो मैच के दौरान अभद्र भाषा के इस्तेमाल से जुड़ा है। मैच के बाद सुनवाई में पोलार्ड ने गलती स्वीकार कर ली। उन्होंने मैच जुर्माना और प्रतिबंध मंजूर कर लिया। लेवल 1 का अपराध स्वीकार करने के बाद आईपीएल नियमों के मुताबिक अब औपचारिक सुनवाई नहीं होगी। पोलार्ड के खाते में एक डिमेरिट पॉइंट भी जुड़ गया। आईपीएल नियमों के अनुसार तय समय सीमा में 4 या उससे अधिक डिमेरिट पॉइंट होने पर खिलाड़ी या कोच पर एक या अधिक मैचों का सस्पेंशन लगाया जा सकता है। यह पोलार्ड के लिए चेतावनी है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों।

बॉक्सर साक्षी चौधरी को कॉमनवेल्थ और

एशियन गेम्स का टिकट

● सिलेक्शन ट्रायल के फाइनल में मीनाक्षी को हराया, निखत जरीन को भी मात दी

पटियाला (एजेंसी)। हरियाणा की मुक्केबाज साक्षी चौधरी ने 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियन गेम्स का टिकट हासिल कर लिया है। उन्होंने शुक्रवार को पटियाला में चल रहे सिलेक्शन ट्रायल्स के फाइनल में वर्ल्ड चैंपियन मीनाक्षी हुड्?डा को 5-0 से हराया।

सर्विसेस से खेल रही साक्षी ने 2022 बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स की गोल्ड मेडलिस्ट निखत जरीन को 51 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में 4-1 से हराया था। वहीं, 48 किग्रा वर्ग की मीनाक्षी ने नीतू घंघास को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। 2026 के कॉमनवेल्थ गेम्स जुलाई-अगस्त में ग्लासगो में होंगे। इसके बाद सितंबर-अक्टूबर में जापान में एशियन गेम्स का आयोजन होगा।

प्रीति पवार सहित 4 महिला बॉक्सर कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए क्वालिफाई- महिला वर्ग में प्रीत पवार (54 किग्रा), प्रिया घंघास (60 किग्रा), जैस्मिन लंबोरिया (57 किग्रा) और अरुंधति चौधरी (70 किग्रा) एशियन चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचकर कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए क्वालिफाई कर चुकी हैं। पुरुष वर्ग में सचिन सिवाच ने भी कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए जगह पक्की कर ली है। बाकी चार वेट कैटेगरी - 55 किग्रा, 65 किग्रा, 70 किग्रा और +90 किग्रा के लिए ट्रायल आयोजित किए जा रहे हैं।

जीतने वाले मुक्केबाज चेकिया में कैंप में जाएंगे

जीतने वाले मुक्केबाज कॉमनवेल्थ गेम्स की तैयारी के लिए चेकिया में लगने वाले एक्सपोजर कैंप में जाएंगे। वहीं, दूसरे स्थान पर रहने वाले मुक्केबाज जून में चीन में होने वाले वर्ल्ड बॉक्सिंग कप में हिस्सा लेंगे। बॉक्सिंग वर्ल्ड कप सीरीज-2 का आयोजन 15 से 20 जून तक चीन में किया जाएगा।

ट्रेडिशनल ट्रायल सिस्टम लौटा, प्लेयर्स की दो राय- बीएफआई ने एशियन चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाले बॉक्सर्स को कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए सीधे क्वालिफाई माना था। जिन वेट कैटेगरी के बॉक्सर फाइनल में नहीं पहुंचे थे, उनका चयन प्रदर्शन के अंकों के आधार पर होना था। हालांकि, भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने इन वेट कैटेगरी के लिए ओपन ट्रायल्स से सीडब्ल्यूजी और वर्ल्ड कप खिलाड़ियों के चयन के निर्देश दिए।

प्रमुख नतीजे

- 3 बार के वर्ल्ड कप मेडलिस्ट हितेश गुलिया को 70 किग्रा वर्ग में सुमित के हाथों हार झेलनी पड़ी।
- एशियाड की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट परवीन हुड्डा ने अंकुशिता बोरो को हराया अपनी दावेदारी मजबूत की।
- अनुभवी मुक्केबाज पूजा रानी को 80 किग्रा वर्ग में नैना ने मात दी।
- 65 किग्रा वर्ग में ओलिंपिक मेडलिस्ट लवलीना बोरगोहेन ने पूजा को 7-0 से हराया।

रवि शास्त्री ने सैमसन को कप्तान बनाने की पैरवी की

● कहा- संजू 2028 टी-20 वर्ल्डकप के लिए कैप्टेंसी के विकल्प हो सकते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने संजू सैमसन को भविष्य में भारत की टी-20 टीम का कप्तान बनाने की पैरवी की है। उनका मानना है कि सैमसन कप्तानी के मजबूत दावेदार बनकर उभरे हैं। शास्त्री के अनुसार हाल के दिनों में सैमसन ने जिस तरह की मैच्योरिटी दिखाई है, वह उन्हें लीडरशिप रोल के लिए परफेक्ट बनाती है।

शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू में कहा कि सूर्यकुमार यादव ने हाल ही में अपनी कप्तानी में भारत को वर्ल्ड कप जिताया था, लेकिन 2028 के टी-20 वर्ल्ड कप को देखते हुए संजू बड़ा विकल्प हो सकते हैं। फिलहाल, सूर्यकुमार यादव भारतीय टी-20 टीम के

कप्तान हैं। उन्होंने 8 मार्च 2026 को अहमदाबाद में भारत को टी-20 वर्ल्ड कप जिताया था।

दबाव में निखर रहे हैं संजू

31 साल के सैमसन ने इस वर्ल्ड कप अभियान में लगातार तीन अर्धशतक जड़े थे। शास्त्री ने कहा- अगले दो-तीन सालों में आप संजू का एक अलग ही रूप देखेंगे। जिस तरह की मैच्योरिटी उन्होंने आईपीएल और इंटरनेशनल लेवल पर दिखाई है, उससे वह कप्तानी के लिए मेरी नजर में स्पष्ट उम्मीदवार हैं। उन्होंने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के 5 मैचों में 321 रन बनाए थे।

क्यों संजू हैं पहली पसंद?

- **कप्तानी का अनुभव-** संजू पिछले पांच सीजन से आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी कर रहे हैं। वह 2022 में टीम को फाइनल तक ले जा चुके हैं।
- **वर्ल्ड कप में प्रदर्शन-** सैमसन को टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया था। उन्होंने क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल में भारत को जीत के करीब पहुँचाया।
- **कंसिस्टेंट परफॉर्मेंस-** शास्त्री ने कहा- संजू की काबिलियत पर कभी शक नहीं था, लेकिन अब उन्होंने अपनी कंसिस्टेंसी से सभी सवालों पर विराम लगा दिया है। अब वे टॉप ऑर्डर में स्थायी जगह बना चुके हैं।

वनडे ट्राई सीरीज के लिए वैभव सूर्यवंशी इंडिया-ए में चुने गए

● आईपीएल में अब तक 2 सेंचुरी लगा चुके, -19 वर्ल्ड कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट थे

नईदिल्ली (एजेंसी)। 15 साल के ओपनर वैभव सूर्यवंशी वनडे ट्राई सीरीज के लिए इंडिया-ए में चुने गए हैं। टीम का ऐलान गुरुवार को किया गया। कप्तानी तिलक वर्मा करेंगे। इससे पहले वे एशिया कप राइजिंग स्टार्स और अंडर-19 वर्ल्डकप में इंडिया की ओर से खेल चुके हैं। इसी साल जनवरी में हुए अंडर-19 वर्ल्डकप फाइनल में उन्होंने 175 रन की पारी खेली थी। वे प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बने थे। वैभव श्रीलंका में जून में होने वाली वनडे ट्राई-सीरीज खेलेंगे। इंडिया और श्रीलंका के अलावा इस सीरीज में अफगानिस्तान की ए टीम भी खेलेगी। वैभव आईपीएल में अब तक दो शतक लगा चुके हैं। उन्होंने 2025 में गुजरात के खिलाफ 36 और इस सीजन में हैदराबाद के खिलाफ 37 बॉल में सेंचुरी लगाई हैं।

वैभव ने आईपीएल में 440 रन बनाए, एक सेंचुरी भी शामिल

वैभव आईपीएल में अपना दूसरा सीजन खेल रहे हैं। 2026 सीजन में उन्होंने 11 मैचों में 237 के स्ट्राइक रेट से 440 रन बनाए हैं। उन्होंने जयपुर में हैदराबाद के खिलाफ शतक लगाया। इस पारी में उन्होंने 12 सिक्स और 5 चौके लगाए।

12 साल में रणजी डेब्यू से इंडिया-ए तक का सफर- वैभव ने जनवरी 2024 में बिहार के लिए रणजी ट्रॉफी में डेब्यू किया। तब उनकी उम्र 12 साल थी। 2024 में मुंबई और छत्तीसगढ़ के खिलाफ उन्होंने दो फर्स्ट क्लास मैचों में 31 रन बनाए थे।

वैभव ने सचिन तेंदुलकर (15 साल) और युवराज सिंह (18 साल) को पीछे छोड़ा और घरेलू फर्स्ट क्लास क्रिकेट में सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले खिलाड़ी बने। वैभव ने 13 साल की उम्र में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंडर-19 यूथ टेस्ट सीरीज में सिर्फ 58 गेंदों पर शतक जड़ दिया। यह अंडर-19 टेस्ट क्रिकेट में दूसरा सबसे तेज शतक था। उन्होंने 62 गेंदों में 104 रन की पारी खेली, जिसमें 14 चौके और 4 छक्के शामिल रहे। वैभव ने लिस्ट-ए (50 ओवर) में अब तक 8 मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 44.12 की औसत और 164.95 के स्ट्राइक रेट से 353 रन बनाए। उनका बेस्ट स्कोर 190 रन रहा है। सूर्यवंशी ने इस फॉर्मेट में 1 शतक और 1 अर्धशतक लगाया है। उन्होंने 37 चौके और 23 छक्के भी जड़े हैं। आईपीएल 2025 में वैभव ने सिर्फ 7 मैचों में 252 रन बनाए, जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल था।

एशिया कप में 243 से ज्यादा का स्ट्राइक रेट

वैभव ने एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2025 टी-20 में 4 मैचों में 59.75 की औसत और 243.87 के स्ट्राइक रेट से 239 रन बनाए थे। इस दौरान उनका बेस्ट स्कोर 144 रन रहा। सूर्यवंशी ने इस सीरीज में एक शतक भी लगाया था। उन्होंने 20 चौके और 22 छक्के लगाए।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यालय नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेल: alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670